



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 22, 1978 (आषाढ़ 31, 1900)
No. 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 22, 1978 (ASADHA 31, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जून 1978

सं० ए० 32013/1/78-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अवर सचिव के पद पर कार्यरत, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी सर्वश्री एस० पी० शर्मा और पी० एन० मुखर्जी को, राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

शं० ना० बाज्जे,
संयुक्त सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

वैयक्तिक सहायक तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 2-5-78 से 30-6-1978 तक 60 दिन की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और (के० सं० स्टे० से० के ग्रेड ख) में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन की शर्तों पर ही होगी।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) स्थायी

दिनांक 2 जून 1978

सं० ए० 12024/4/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अवर सचिव श्री एस० पी०

चक्रवर्ती को, जिन्हें पहले इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/271-प्रशा०- दिनांक 22-8-1977 द्वारा 30-9-1977 तक विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया गया था, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 17-10-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 जून 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के स्थाई ग्रेड 'क' अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट अवधियों के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	बी० एस० कपूर	8-5-78 से 30-6-78 तक
2.	पी० सी० माथुर	10-5-78 से 9-6-78 तक
3.	जे० पी० गोयल	15-5-78 से 30-6-78 तक
4.	आर० एन० खुराना	15-5-78 से 14-6-78 तक
5.	बी० आर० वर्मा	1-5-78 से 8-7-78 तक

सं० ए० 32013/1/78-प्रशा०-1—इस कार्यालय की समसंबन्धक अधिसूचना दिनांक 29-5-1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० अहलू-वालिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-6-1978 से 31-8-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 जून 1978

सं० ए० 19013/2/78-प्रशा०-I—श्री विनय झा भा० प्र० से० को राष्ट्रपति द्वारा 16-6-1978 (अपराह्न) से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जून 1978

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री रघुवर दयाल को जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III दिनांक 24-5-78 द्वारा तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 5/21/77-सी० एस० I दिनांक 15-3-78 द्वारा वाणिज्य मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणामस्वरूप 30 जून, 1978 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

प्रा० ना० मुखर्जी,
उप सचिव
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1978

सं० ए० 19019/2/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री राज देव सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (1949-विहार) को दिनांक 20-6-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये विशेष निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी
उप निदेशक (प्र०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1978

सं० ए० 19036/11/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बी० एच० मिराजकर जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आधिक अपराध स्कंध, बम्बई शाखा में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को दिनांक 3-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र कुमार अग्रवाल
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 जून 1978

शुद्धि-पत्र

सं० ओ० दो० 1081/78-स्था०—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० ओ० दो० 1081/78-स्था० दिनांक 24 फरवरी, 1978 में संबंधित अधिकारी का नाम "डाक्टर विजय कुमार कोडाली" के स्थान पर "डा० के० विजय कुमार" पढ़ा जाये।

दिनांक 17 जून 1978

सं० ओ० दो० 1083/78-स्था०—राष्ट्रपति, डाक्टर सुशील दत्तात्रेय किनिकर को अस्थाई रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ०, ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 5-5-1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जून 1978

सं० ओ० दो० 36/75-स्था०—राष्ट्रपति, श्री आई० के० सहगल, सहायक निदेशक (लेखा), सी० पी० ए० यू०, सी० आर० पी० एफ० को सी० आर० पी० एफ० में उप निदेशक (लेखा) के पद पर दिनांक 25-5-78 से 10-9-78 तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1043/70-स्था०—राष्ट्रपति, ले० कर्नल आर० एल० सरकार को तदर्थ रूप में महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर 17-6-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

ले० कर्नल आर० एल० सरकार की मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 17-6-1978 के पूर्वाह्न से समाप्त किया जाता है।

दिनांक 1 जुलाई 1978

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

सं० ओ० दो० 270/69-स्था०—श्री डी० पी० शर्मा ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, कमांडेंट-6वीं बाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार 30-11-77 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

सं० ओ० दो० 1053/77-स्था०—राष्ट्रपति, ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डाक्टर (कुमारी) बी० आर० कल्याणी, ग्रुप सैंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पल्लीपुरम का त्याग-पत्र दिनांक 19-5-1978 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्र०)

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली 1, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० 804-सीए०-1/30-78—अपर उपनियंत्रक महा लेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखा परीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है तथा नीचे खाना सं० 5 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने खाना सं० 4 में लिखे गये कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	के० मैत्रा	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	30-1-78 (पूर्वाह्न)
2.	यू० बी० एस० शर्मा	महालेखाकार-II तमिल-नाडु।	महालेखाकार-II, तमिलनाडु	24-1-78 (अपराह्न)
3.	के० के० दास	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला), कलकत्ता।	28-1-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5	6
4. के० जे० दिवेकर	महालेखाकार (एस० एवं सि० डी०) बम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई	27-1-78	(पूर्वाह्न)	
5. एस० एन० मालाकार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	6-2-78	(,)	
6. भी० भी० रामामूर्थी	महालेखाकार-II, आंध्र प्रदेश।	महालेखाकार, उड़ीसा	25-2-78	(,,)	
7. निरंजन मन्डल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	महालेखाकार असम इत्यादि शिलांग	27-2-78	(,,)	
8. पी० जे० अब्राहम	महालेखाकार, केरल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	27-2-78	(,,)	
9. जयगोपाल मन्डल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता।	महालेखाकार, असम इत्यादि, शिलांग।	27-2-78	(,,)	
10. एस० वी० स्वामीनाथन	महालेखाकार-II तमिल नाडु।	महालेखाकार, उड़ीसा	13-2-78	(,,)	
11. सोमनाथ शर्मा	महालेखाकार जम्मू एवं कश्मीर	महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर	25-1-78	(अपराह्न)	
12. एम० भी० पन्धारे	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई।	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश	6-2-78	(पूर्वाह्न)	
13. एच० सी० वर्मन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास।	27-2-78	(,,)	
14. एस० हरिहरण	महालेखाकार-II तमिलनाडु।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची।	22-2-78	(अपराह्न)	
15. आर० राजगोपालन	महालेखाकार-II तमिल-नाडु।	महालेखाकार, उड़ीसा।	30-1-78	(पूर्वाह्न)	
16. वी० आनन्द मोहन	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश।	महालेखाकार, बिहार, पटना।	24-2-78	(अपराह्न)	
17. एस० डी० रामाराव	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलोर	(,,)	22-2-78	(अपराह्न)	
18. आर० बी० नीमा	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश।	महालेखाकार-II, मध्यप्रदेश।	27-1-78	(पूर्वाह्न)	

1	2	3	4	5
19. एम० बी० अग्रवाल	मुख्य लेखापरीक्षक वाणिज्यिक लेखा (सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा बम्बई)।	महालेखाकार, हि० एवं चण्डीगढ़, शिमला।	27-2-78	(पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (वा०)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 30 जून 1978

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/LX/6/2043—
इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० जी० भाटिया को दिनांक 20-6-1978 (पू०) से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया है।

आ० ना० बिस्वास
मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी)

मद्रास-18, दिनांक 9 जून 1978

आदेश

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 नियम-5 के उपनियम (I) के प्रावधान अंतर्गत जारी किये गये सेवासमाप्ति का आदेश:

सं० प्रशा०/11/एस० बी०-2749—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 नियम 5 के उपनियम (I) के प्रावधान, मैं श्री आर० बाल कृष्णन्, अस्थायी चौकीदार एस० बी०-2749 की सेवा तुरन्त समाप्त करता हूँ और निर्दिष्ट करता हूँ कि जो वेतन भत्ते वह सेवा समाप्ति के तुरन्त पहले पा रहा था उसी वेतन भत्ते के बराबर की धन-राशि या सूचना अवधि के लिये भी अथवा अपेक्षित सूचना अवधि में जितना दिन कम पड़ता है, उतने दिन के वेतन के भत्ते पाने का हकदार होगा (यथा प्रसंग जैसी बात हो)

आर० वेंकटरामन
रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) वरुक्षिण

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनंस फैक्ट्रियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनंस फैक्ट्रियां

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1978

सं० 31/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्तकर, श्री आर० के० घोष, स्थानापन्न प्रबंधक (मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबंधक) दिनांक 31-1-1978 (अप्रराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 32/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर श्री आई० बी० घोष, मौलिक एवं स्थायी सहायक महानिदेशक, आर्डनंस फैक्ट्रियां ग्रेड-II, दिनांक 31 मई, 1978 (अप्रराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनंस फैक्ट्रियां,

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशासन (राज०)/4670—राष्ट्रपति श्री ओ० एन० आनन्द, उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर को बिल्कुल तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर 1 जनवरी, 1978 से 3 जनवरी, 1978 तक की आगे तीन दिनों की अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-1/1(954)—निरीक्षण निदेशक (धातु), बर्नपुर के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन (ग्रेड-II) श्री एस० एन० दत्त दिनांक 31 मई, 1978 के अप्रराह्न से निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन अनुभाग-6)

सं० प्र-6/247/(331)/61/11-राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-III की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री पी० के० गायन को दिनांक 16 मई, 1978 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री गायन दिनांक 8-11-77 (पूर्वाह्न) से धातुकर्म निरीक्षणालय, वर्नापुर के अधीन कलकत्ता उप कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नत हुए थे।

श्री गायन दिनांक 16-5-1978 से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-1/1(1122)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री ए० आर० सुब्रामणियन को दिनांक 1-6-78 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (1124)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अवर प्रगति अधिकारी श्री एम० नरोन्हा को दिनांक 30-5-78 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा-6)

सं० प्र०-6/247(287)/60-11—स्थायी भौतिकी सहायक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री के० एन० गांगूली दिनांक 30-4-1976 (अपराह्न से एफ० आर० 56) जे के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1978

सं० प्र०-6/247 (92) /58/चार०—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० स्थायी अधिकारी श्री सी० आर० सरकार को दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उपमहानिदेशक (निरीक्षण) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सरकार ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में निरीक्षण निदेशक का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में उप महानिदेशक (निरीक्षण) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247 (458)/63—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा के अधिकारी

श्री जी० बालकृष्णन को दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रुप ए० के ग्रेड-1 में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री जी० बालकृष्णन ने दिनांक 31 मई, 1978 के अपराह्न को मद्रास में उपनिदेशक निरीक्षण (इंजीनियर) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 13 जून, 1978 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जून 1978

सं० प्र०-6/247 (295)/65-II—राष्ट्रपति, जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) श्री ए० के० मजुमदार को 16-5-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III (ग्रुप 'ए०') की धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) के रूप में नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मजुमदार ने 15-5-78 के अपराह्न से सहायक निरीक्षण, अधिकारी (धातुकर्म) का पद भार छोड़ दिया और 16-5-78 के पूर्वाह्न से निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० ए०-19011/154/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० के० घोष सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 9 जून, 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011/121/77-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री के० एस० राजू, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 9 जून, 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011/166/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० राजगोपालन सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 9-6-78 से अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 3 जुलाई, 1978

सं० ए०-19011/165/77-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० सी० अग्रवाला, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान

ब्यूरो को दिनांक 9-6-78 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में 1100-50-1600 के वेतन पर उप अग्रस्त प्रमाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एम० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1978

सं० ए०-12025/11/77-स्टोर-1—राष्ट्रपति ने श्री एम० जोगया, सहायक फैक्टरी मैनेजर को 17-6-78 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास में डिपो मैनेजर (ग्रुप ए० राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० ए०-12026/33/77-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक निम्नलिखित दन्त सर्जनों को उनके नामों के सम्मुख दी गई अवधि से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

1. डा० (श्रीमती) सुषमा माथुर-13 मार्च, 1978 से आगामी आदेशों तक
2. डा० आर० के० खुलर को 13 मार्च, 1978 से 12 जून, 1978 तक।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 28 जून 1978

सं० रापविप/भर्ती/7 (6)/78/861—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायित्व सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री के० के० बालन को इसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 5 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1978

सं० ए०-32014/1/76-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० सुब्रह्मण्यम की पालम एयरपोर्ट पर सहायक

विद्युत और यांत्रिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 26 अक्टूबर, 1977 से 30 सितम्बर, 1978 तक की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की है।

दिनांक 30 जून 1978

सं० ए०-38015/14/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन खेदपूर्वक यह घोषित करते हैं कि श्री एस० के० शर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संवार स्टेशन, बम्बई का निधन 24-5-78 को हो गया है।

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क

समाहर्तालय

नागपुर, दिनांक 29 जून 1978

अ० कं० 8/78—श्री एम० एम० शिराजी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्ता क्षेत्र पुणे ने, उनकी स्थानांतरण पर, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर का श्री बी० एल० गाझापुरे, सहायक समाहर्ता, जो अतिरिक्त रूप से कार्य-भार संभाल रहे थे को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 12 जून, 1978 के पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया।

माधव पहलकर,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून, 1978

सं० ए०-32014/1/77-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्रीमती विजयम रवीन्द्रनाथन, पर्यवेक्षक, को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर दिनांक 17 जून, 1978 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

(2) श्रीमती विजयम रवीन्द्रनाथन अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पद पर उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेगी।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1978

सं० 1/16/69-ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न मुख्य वास्तुक श्री जे० एम० बेंजामिन वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर

सरकारी सेवा से दिनांक 30-6-78 (दोपहर के बाद) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 30 जून, 1978

सं० 1/333/69-ई० सी०-9—राष्ट्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थायी वास्तुक श्री संगत सिंह के दिनांक 23-3-78 का सेवा निवृत्ति संबंधी नोटिस स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री संगत सिंह को दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) से सेवानिवृत्ति समझा जाए।

कृष्ण कान्त,
प्रशासन उपनिदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडू, दिनांक 28 जून, 1978

सं० ई०/55/iii/192(0)—सिगनल एवं दूर-संचार विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीख से, द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक सिगनल एवं दूर-संचार इंजीनियर के रूप में स्थायी किये जाते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	स्थायी किया गया
1.	श्री के० सी० चक्रवर्ती	16-10-77
2.	श्री डी० के० घोष	1-12-77

म० रा० न० मूर्ति,
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होम प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 30 जून 1978

सं० 869/560 (5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि होम प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी, अधिनियम 1956, और एम० एम० सेल्स एण्ड इक्सपोर्ट्स (इण्डिया) प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 30 जून 1978

सं० 6527/3158 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एम० सेल्स एण्ड इक्सपोर्ट्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एम० एल० शाह
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और सफरी ड्रवल्स लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० 6591/3391-एल० सी०—अधिनियम 1956 की उपधारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सफरी ड्रवल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वशित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त,

दिल्ली-4 नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1978

आदेश

सं० जुरि/दिल्ली/4/3/78-79/9516—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभन शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट-3 के आयकर वार्डों का नाम कालम-3 में किए गए उल्लेख के अनुसार रखा जायेगा।

क्र० सं०	वार्ड का वर्तमान नाम	वार्ड का पुनः रखा गया नाम
1	2	3
1.	डिस्ट्रिक्ट-3(7), अतिरिक्त, नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-3-ए (1), नई दिल्ली
2.	डिस्ट्रिक्ट-3 (30), नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट-3-ए (2), नई दिल्ली

1	2	3
3. डि०-3 (1), नई दिल्ली	डि०-3-ए (3), नई दिल्ली।	
4. डि०-3 (14) पहला अतिरिक्त, नई दिल्ली	डि०-3-ए (4), नई दिल्ली।	
5. डि०-3 (2) नई दिल्ली	डि०-3ए (5), नई दिल्ली	
6. डि०-3 पहला अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डि०-3ए (6), नई दिल्ली	
7. डि०-3 (34), नई दिल्ली	डि०-3ए (7), नई दिल्ली	
8. डि०-3 (7), नई दिल्ली	डि०-3ए० (8), नई दिल्ली	
9. डि०-3 (32), नई दिल्ली	डि०-3-ए (9), नई दिल्ली	
10. डि०-3 पाचवां अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डि०-3-ए (10), नई दिल्ली	
11. डि०-3 (26), नई दिल्ली	डि०-3-बी (1), नई दिल्ली	
12. डि०-3 (16), अतिरिक्त नई दिल्ली	डि०-3-बी (2), नई दिल्ली	
13. डि०-3 (16), नई दिल्ली	डि०-3-बी (3), नई दिल्ली	
14. डि०-3 (9) नई दिल्ली	डि०-3-बी० (4) नई दिल्ली	
15. डि०-3 (8), नई दिल्ली	डि०-3-बी (5), नई दिल्ली	
16. डि०-3 सर्वे सकिल, नई दिल्ली	डि०-3-बी (6), नई दिल्ली	
17. डि०-3 (18), नई दिल्ली	डि०-3-बी (7), नई दिल्ली	
18. डि०-3 (25), नई दिल्ली	डि०-3-बी (8), नई दिल्ली	
19. डि०-3 (5), नई दिल्ली	डि०-3-सी (1), नई दिल्ली	
20. डि०-3 (6), नई दिल्ली	डि०-3-सी० (2), नई दिल्ली	
21. डि०-3 (4), नई दिल्ली	डि०-3-सी० (3), नई दिल्ली	
22. डि०-3 (11), नई दिल्ली	डि०-3-सी (4), नई दिल्ली	
23. डि०-3 (24), नई दिल्ली	डि०-3-सी (5), नई दिल्ली	

1	2	3
24. डि०-3 (10), नई दिल्ली	डि०-3-सी (6), नई दिल्ली	
25. डि०-3 (12), नई दिल्ली	डि०-3-सी० (7), नई दिल्ली	
26. डि०-3, सर्वे सकिल, नई दिल्ली	डि०-3-सी० (8), नई दिल्ली	
27. डि०-3 (13), नई दिल्ली	डि०-3-सी (9), नई दिल्ली	
28. डि०-3 (17), नई दिल्ली	डि०-3-सी (10), नई दिल्ली	
29. डि०-3 (3), नई दिल्ली	डि०-3-डी (1), नई दिल्ली	
30. डि०-3 (14), नई दिल्ली	डि०-3-डी (2), नई दिल्ली	
31. डि०-3 (15), नई दिल्ली	डि०-3 डी (3), नई दिल्ली	
32. डि०-3 (28), नई दिल्ली	डि०-3-डी (4), नई दिल्ली	
33. डि०-3 (29), नई दिल्ली	डि०-3-डी (5), नई दिल्ली	
34. डि०-3 (35), नई दिल्ली	डि०-3-डी० (6), नई दिल्ली	
35. डि०-3 तीसरा अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डि०-3-डी (7), नई दिल्ली	
36. डि०-3 चौथा अतिरिक्त सर्वे सकिल नई दिल्ली	डि०-3-डी (8), नई दिल्ली	

यह आदेश 1-7-1978 से लागू होगा।

आयकर

एफ०सं०जुरि/दिल्ली/4/78-79/9642—इस विषय पर धारा 124 और 127 के अंतर्गत पहले के सभी आदेशों का अधि-क्रमण करते हुए और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट-3 के आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट क्षेत्रों व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों तथा आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे किन्तु इनमें वे व्यक्ति, व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं हैं जो आयकर आयुक्त/बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 और 127 के अंतर्गत

किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं :—

2. किसी अधिकारी को सौंपे गए क्षेत्रों की सीमाओं के भीतर उसका अधिकार क्षेत्र निम्नलिखित के बारे में होगा :—

(क) कोई कारोबार या व्यवसाय करने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में, यदि उसके कारोबार या व्यवसाय का स्थान उस क्षेत्र के भीतर स्थित हो या यदि उसका कारोबार या व्यवसाय एक से अधिक स्थानों पर चलाया जाता हो तो यदि उसके कारोबार या व्यवसाय का मुख्य स्थान उस क्षेत्र के भीतर स्थित हो।

(ख) उस क्षेत्र के भीतर रहने वाले किसी भी दूसरे व्यक्ति के बारे में

(ग) यह अधिसूचना 1-7-1978 से लागू होगी।

दिनांक 1 जुलाई 1978

आयकर

सं० जुरि/दिल्ली/4/आई० ए० सी०/78-79/9868—
—इस कार्यालय की दिनांक 19-4-1977 की अधिसूचना एफ० सं० जुरि/दिल्ली/दिनांक/4-7-78/1476 में आंशिक परिवर्तन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अंतर्गत निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेज का नाम	आयकर डिस्ट्रिक्ट/ सर्किल
1	2
1. निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त रेज-3ए, नई दिल्ली	1. डिस्ट्रिक्ट-3-ए-1 2. डि०-3-ए-2 3. डि०-3-ए-3 4. डि०-3-ए-4 5. डि०-3-ए-5 6. डि०-3-ए-6 7. डि०-3-ए-7 8. डि०-3-ए-8

1	2	3
		9. डि०-3-ए०-9 10. डि०-3-ए-10
2. निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त रेज-3बी, नई दिल्ली		1. डि०-3-बी-1 2. डि०-3-बी-2 3. डि०-3-बी-3 4. डि०-3-बी-4 5. डि०-3-बी-5 6. डि०-3-बी-6 7. डि०-3-बी-7 8. डि०-3-बी-8 9. ट्रासपोर्ट सर्किल 10. पहला अतिरिक्त ट्रासपोर्ट सर्किल
3. निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त रेज-3सी, नई दिल्ली		1. डि०-3-सी-1 2. डि०-3-सी-2 3. डि०-3-सी-3 4. डि०-3-सी-4 5. डि०-3-सी-5 6. डि०-3-सी-6 7. डि०-3-सी-7 8. डि०-3-सी-8 9. डि०-3-सी-9 10. डि०-3-सी-10
4. निरीक्ष्य सहायक आयकर आयुक्त रेज-3डी, नई दिल्ली		1. डि०-3-डी-1 2. डि०-3-डी-2 3. डि०-3-डी-3 4. डि०-3-डी-4 5. डि०-3-डी-5 6. डि०-3-डी-6 7. डि०-3-डी-7 8. डि०-3-डी-8

यह अधिसूचना 1-7-1978 से लागू होगी।

विषय.—कर वसूली अधिकारियों में कार्यभार का वितरण।

फ सं० सी० आई० टी०-4/जुरि/टी०आर० ओ०/78-79/10537—इस विषय पर पहले के सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि निम्नलिखित कर वसूली अधिकारी दिनांक 1-7-78

से, कालम-4 में निर्दिष्ट आई० ए० सी० रेंजों के अंतर्गत आने वाले डिस्ट्रिक्टों/वार्डों के संबंध में अपने कार्य करेंगे।

1	2	3	4
---	---	---	---

क्र० सं०	पदनाम	काम का बंटवारा	आई० ए० सी० का प्रशासनिक नियन्त्रण
1	2	3	4

1. कर वसूली अधिकारी-6, पहले के वार्ड नई दिल्ली

डि०-3(1), 3(2) आई० ए०
3(7), 3(7) सी० रेंज-3
अतिरिक्त ए
3(14) पहला अति-
रिक्त निष्कातसकिल
3(30), 3(32)
3(34) पहला अति-
रिक्त सर्वे सकिल 3
आई०ए० सी० रेंज-3ए
की धारा 135(1)
के अंतर्गत सौंपे गए
सभी मामले।
नए पुनः नामोद्दिष्ट वार्ड
वार्ड 3-ए(1), 3-ए
(2), 3-ए (3),
3-ए(4), 3-ए(5),
3-ए(6), 3-ए(7),
3-ए(8), 3-ए(9)
ब 3-ए-(10)

2. कर वसूली अधि-
कारी-12, नई दिल्ली

पहले के वार्ड

1. डि०-3(8), 3(9) आई० ए०
3(16), 3(16) सी० रेंज-3
अतिरिक्त, 3(18), बी
3(25), 3(26)
सर्वे सकिल-3
2. परिवहन सकिल,
नई दिल्ली
3. पहला अतिरिक्त
परिवहन सकिल,
नई दिल्ली।
नए पुनः नामोद्दिष्ट
वार्ड

1. वार्ड 3बी(1), 3बी
(2), 3बी(3), 3बी
(4), 3बी(5), 3बी
(6), 3बी (7),

तथा 3बी (8)
2. परिवहन सकिल
3. पहला अतिरिक्त
परिवहन सकिल
नई दिल्ली।

3. कर वसूली अधिकारी-
7 नई दिल्ली

डि०-3(4), 3(5), आई० ए०
3(6), 3(10), सी० रेंज-
3(11), 3(12), 3-सी
3(13), दूसरा अति
रिक्त सर्वे सकिल-3,
3(17), ब 3(24)
नए पुनः नामोद्दिष्ट वार्ड
3-सी(1), 3-सी(2),
3-सी(3), 3-सी(4)
3-सी (5), 3-सी(6),
3-सी (7), 3-सी
(8), 3-सी (9),
तथा 3-सी (10)।

4. कर वसूली अधि-
कारी-19 नई दिल्ली

पहले के वार्ड

1. डि०-3(3), आई० ए०
3(14), 3(15), सी० रेंज
3(28), 3(29) 3-डी नई
3(35) दिल्ली
2. तीसरा अतिरिक्त
सर्वे, सकिल-3, नई
दिल्ली।

3 चौथा अतिरिक्त
सर्वे सकिल-3,
नई दिल्ली

नए पुनः नामोद्दिष्ट वार्ड

डि०-3-डी(1),
डि०-3-डी (2),
डि०-3-डी(3),
डि०-3-डी(4),
डि०-3-डी(5),
डि०-3-डी(6),
डि०-3-डी(7),
डि०-3-डी(8)
नई दिल्ली।

ए० जे० राणा
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4
नई दिल्ली

प्रकाश भाई० जी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई, 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/108/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 1/2 मंजला मकान नं० 3183, सैक्टर 21-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगणों अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार सहगल पुत्र श्री दवारका दास सहगल द्वारा सहगल सैनीट्री फिटिंग्स (पी०) लि०, गांव चुहड़वाली, डाकखाना आदम पुर दोआबा जिला जलंधर (पंजाब) (अन्तरक)

(2) श्री पमी नन्द गर्ग पुत्र श्री राम किशन दास निवासी 308 सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

(3) (i) स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया, 3183, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़

(ii) श्री पी० सी० गुप्ता, 3183, सैक्टर, 21-डी, चण्डीगढ़।

(iii) श्री राम नाथ थापट्ट, 3183, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसबो

2 1/2 मंजला मकान नं० 3183 सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ में स्थित और जिसका क्षेत्रफल 249.40 वर्ग गज है।

“सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 1297 में दी गई है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में 28-2-1978 को लिखा गया।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रकर आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

265-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई, 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/105/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1049 सैक्टर 27-बी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तारा सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह 610, सैक्टर 18, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती प्रेम लता गुप्ता पत्नी श्री प्रताप सिंह

(ii) श्री मोहित कुमार सिंह नबालग पुत्र श्री प्रताप सिंह सभी निवासी 47, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1049 जो सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 1497.55 वर्ग गज है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1282 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में 27-2-1978 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 84/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 4 जो 1-7-27 से 34 तक है, जो एम० जी० रोड, में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक बन से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स युनायटेड विल्डरम, 9-1-41 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीना बेगम, 11-5-196 रेड हिल्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. दुकान नं० 4 जो 1-7-27 से 34 तक है और 1-7-206 तथा 228 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद जिसका दस्तावेज सं० 1913/77 जो रजिस्ट्री कार्यालय सिकंदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978
मोहर :

प्रारूप प्रा० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन पञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

ज हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

जजनिर्देश सं० 85/78-79-यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 32 ए० 33 जो 1-7-26-34 एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रकरण निश्चित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स युनायटेड बिल्डर्स, 9-1-41 दुबावको बाजार, सिकंदराबाद । (अन्तरक)

(2) मझर सुल्ताना 11-5-1968 रेड हिल्स, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मगरनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त मगरनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 32 और 33 जो ईमारत नं० 1-7-26 से 34 और 1-7-206 के 228 तक में स्थित है जो एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और रजिस्ट्री नं० 1861/77 जो सिकंदराबाद के रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय में है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 86/78-79-अतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 24 जो 1-7-27 से 34, है जो एम० डी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय को बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता नगर्हण या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति या व्यक्तियों :—

- (1) श्री मैसर्स युनायटेड बिन्दर्स, 9-1-41 टुबाको बाजार, सिकंदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रमाबाई, 1-5-7-247, बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 24 जो इमारत सं० 1-7-27 से 34 और 206 से 228 तक के हैं जो एम० डी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और जिसका रजिस्ट्री सं० 1859/77 जो सिकंदराबाद रजिस्ट्री के कार्यालय में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 87/78-79-मत: मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 15 जो 1-7-27 से 34 है जो एम० जी० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिधों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-166GI/78

ज (1) मैसर्स युनायटेड बिल्डर्स, 9-1-41 दुबाक्को बाजार, सिकंदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमाबाई 15-7-247, बेंगम बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 15 जो इमारत सं० 1-7-27 से 34 तक में है जो एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है और जिसका रजिस्ट्री सं० 1860/77 जो सिकंदराबाद के रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 88/78-79-यतः मुखे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी सं० 8 है, जो 139, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मैसेर्स युनायटेड विल्डरस, 9-1-41, दुष्काको सिकंदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री बी० रुकमण्या, 8-1-17, मार्केट स्ट्रीट, सिकंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8 जो ईमार्त नं० 139, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० 2097/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सिकंदराबाद कार्यालय में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास 600006,

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 5866/अक्टोबर/77-यतः मुझे, के० पोन्नन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 68, दूसरा मेयिन रोड, गांधी नगर, अड्यार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, सैदापेट (मद्रास) डाकुमेण्ट 430/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार गें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टी० एस० शंकर,
- (2) श्री टी० एस० वेंकट सदासिवम,
- (3) श्रीमती वेपा शकुन्तला,
- (4) श्रीमती शान्ता सारनि,
- (5) श्री चन्द्र राव ; (अन्तरक)

श्री पी० जी० श्रीनारायण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 20, अड्यार, गांधी नगर, दूसरा मेयिन रोड, डोर सं० 68 में 5 अउण्ड और 1045 स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० 5872/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के०
पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 18, आल्वार्पेट, मुरेस गेट रोड,
डोर सं० 19/ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैलापूर 'मद्रास' (डाकुमेण्ट 917/77) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-10-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० वी० राजगोपाल अय्यर (अन्तरक)

(2) श्रीमती रादे अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 18, आल्वार्पेट, मुरेस गेट रोड, डोर सं०
19/ए।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्रीय० रामलक्ष्म नरसिंहन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्री बी० उबैदुर रहमान,
(2) बी० हलील अहमद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 जुलाई 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 5900/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के०

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मद्रास 17, रामसामि स्ट्रीट, डोर सं० 8
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० I मद्रास नार्थ 'डाकुमेण्ट 3022/77,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की नाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बीर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मद्रास-17, टी० नगर, रामसामि स्ट्रीट, डोर सं० 8
से 3 अण्ड और 1693 स्क्वयर फीट (मकान के साथ)।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 1-7-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री पी० वी० कृष्णमूर्ती एण्ड अनर्स (अन्तरत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० पलनियप्पन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, 600006 दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० 5944/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के०
पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, राजा चार स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास
'डोकुमेण्ट' 761/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, राजा चार स्ट्रीट, डोर सं० 5 में 7471
स्क्रायर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-1978
मोहर:

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जून 1978

निदेश सं० ए०-185/के० आर० जे०/78-79/1992-93

—अतः मुझे, एगवर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० दाग सं० 5056 और 5057, खतियान सं० 3408 है तथा जो परगना कुसियार कुल, भौजा बना-माली करिमगन्ज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमगन्ज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातः :—

(1) गोविन्द चन्द्र शाहा, स्वर्गीय नित्यन्द शाहा के पुत्र, एन्टोनि बाजार लेन, कलकत्ता-9 (अन्तरक)

(2) सौमान्दु भट्टाचारजि, सनतकुमार भट्टाचारजि का पुत्र बार्ड नं० 5, करीमगन्ज, कछाड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हिनचद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के तम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 2095 वर्गफुट, साथ में एक मकान उसके परिमाण 1,700 वर्ग फुट जो कि मदन मोहन रोड, करिमगन्ज बाजार, कछाड़ जिला, आसाम में स्थित है।

एगवर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, शिलांग

तारीख: 9-6-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर० 3/अक्त०/
1(3)/55/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी 273 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

1. मै० गणेश दास रामगोपाल (फर्म)
द्वारा श्रीमती लक्ष्मी शुनसुतवाला,
1 चितरंजन एवेन्यु, कलकत्ता 13

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा मेरापत्नी श्री ए० बी० मेरा
निवासी बी-273-बी ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला जायदाद जिसका प्लॉट नं० बी-273 बी, क्षेत्रफल 325 वर्गगज जो कि ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस० आर०
3/328/कर०/77-78/1631—अतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 18/3 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 17-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
4—166GI/78

1. श्री गुरुवीर सिंह छावड़ा पुत्र श्री जागीरा
मल, निवासी 18/3 कालकाजी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलबीर कौर पत्नी एस० महिन्दर सिंह
निवासी 19/11 कालकाजी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला जायदाद नं० 18/3 क्षेत्रफल 200 वर्गगज
जो कि कालंकाजी, नई दिल्ली में है ।

जे० एस० गिल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-7-78

मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/996—

अतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टाकीज है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-10-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और (अस्तरिती)
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० ए० फालके (2) शिवाजी राव फालके
(3) श्री सम्भाजी राव फालके (4) श्री आवाजी
राव फालके सभी पुत्र श्री स्व० ऐ० बी० फालके
(5) श्रीमती कंचन माला फालके पत्नी श्री
अन्ना जी राव फालके, फालके बाजार ग्वालियर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला शिवहरे
पत्नी श्री हरी किशन शिवहरे निवासी "ग्यान भवन",
खुला सत्तार मुरार, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

"कृष्णाधियेटर" का आधा भाग म्युनिसिपल बियरिंग नं०
1329/7, वार्ड नं० 4, ग्वालियर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/एकवी/भोपाल/ 78-79/997—

प्रतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० मकान व अन्य है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित :—

1. श्री राधा किशन पुत्र श्री ईशरी मल निवासी नेबरा, तह० रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सांवरमल पाड़ीया पुत्र श्री द्वारकादास पाड़ीया निवासी कचहरी रोड, राउर केला, जिला सुन्दरगढ़, उड़िसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 597 साथ गोदाम रोड ग्राम नेबरा—
मोहल्ला मोहातापारा तह० व जिला रायपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० से० सी० एक्वी/भोपाल-78 79/998

—अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सहगल (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री सेठ गुलाबचन्द (3) श्री सतीश कुमार (4) श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री केशरमल—छाबड़ा निवासी विवेकानन्द नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ईश्वरी बाई पत्नी श्री शीतल वास (2) श्री चंचल दास पुत्र श्री दुल्हानीमल (2) श्रीमती कीकी बाई पत्नी श्री दुल्होमल निवासी हरीपारा, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान क्रमांक 19/205 स्थिति मछली तालाब बाई, गुड़ियारी, रायपुर।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 9-5-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निवेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल/-78-79/999—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन 28-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नष्ट किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रूपकरन मारोली पुत्र श्री सिद्धगुरु मारोली निवासी भोईपारा, दुर्ग

(अन्तरक)

2. श्री जीवन चन्द्र पुत्र श्री भांगी लाल कोलारी नवासी राजनन्दगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति नमूल शीट नं० 4-ऐ०, प्लॉट नं० 109/2 ब 138/1 स्थित गजपारा, दुर्ग।

(रा० कु० बाली)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिकल व, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला बाई पतिन, श्री कान्तीलाल सावरिया निवासी नाहरपारा, रामपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोनाक्षी गुप्ता पाल श्री भीमसेन गुप्ता निवासी जवाहर नगर, रामपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 45/592, 15/592 (भाग) 15/593, 15/594, 15/97 स्थित जवाहर नगर बार्ड, रायपुर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एनवी/भोपाल 78-79/1001
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-10-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः--

1. श्री द्वारका दास पुत्र श्री बयाल दास बलवानी निवासी
42, सिधी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री हुकमत राय पुत्र श्री महठोमल जी राजदेव निवासी
15, सिधी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान क्रमांक 139 स्थित सिधी कालोनी,
बैरसिया रोड, भोपाल।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-5-1978

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1002—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उग्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. प्रेम कुमार किरोड़ीमल कौशिक निवासी म० नं० 5, गली नं० 8, पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री उत्तम चन्द्र हरक चन्द्र बटाला निवासी 93-94, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट बियरिंग, नं० 95, जानकी नगर कालोनी इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1003—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और ससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16)' के अधीन 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—166G1/78

1. मेसर्स रायपुर साईकिल ऐजेन्सी जय स्थम्भ चौक, रायपुर (अन्तरक)

2. अहमद अली फरिश्ता पुत्र श्री इब्राहिम भाई निवासी राजा तलाओ, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जघोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग स्थित प्लॉट नं० 2, सब-प्लॉट नं० 26, ब्लॉक नं० 77, स्थित मुधापारा वार्ड, रायपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 9-5-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई०.ए०. सी० ए०/बी० 78-79/1004—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान मकान है, तथा जो सिरोंज में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरोंज में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,

20-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती महबूबनिसा देगम पत्नी स्व० श्री मौलाना
अब्दुल रहीम निवासी सिरोंज
(अन्तरक)

2. श्री शिववल्लभ पुत्र श्री छट्ठलाल अग्रवाल निवासी
सिरोंज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान के साथ मकान स्थित जवाहर बाजार, सिरोंज जिला
विदिशा।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 9-5-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1005

—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती कुसुम अग्रवाल पत्नी श्री रूपनारायण अग्रवाल निवासी मोघा पारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रिका वार्द पत्नी ठाकुर बद्री सिंह (2) श्रीमती आशा सिंह पत्नी श्री बलराम सिंह निवासी छतापारा, बिलासपुर

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 5/452 स्थित मोघापारा वार्ड, रायपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-5-1978
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई, 1978

निर्देश सं० आई० ऐं० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/
1006—अतः, मुझे रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री बुलाकी दास पुत्र श्री बद्रीदास ताथानी निवासी
सदर बाजार, रायपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री भीमनदास (2) श्री ब्रज लाल दोनों
पुत्र श्री कोडोमल सिंघी निवासी ग्रहमद जी कालोनी
रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट बियरिंग नं० 2/6 14/5 व 15/4 (भाग)
ब्लॉक नं० 19 स्थित सिविल लाइन, रायपुर ।

रा० कु० वाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई, 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी०एकवी/भोपाल 78-79/1007—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो नरसिंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसिंगपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य यास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।

1. श्री राम नारायण वर्मा पुत्र श्री रघुनन्दन लाल वर्मा निवासी 100/5, सीसा लाइन, जी० सी० एफ० स्टेट, जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री पटेल सुवर्न सिंह पुत्र श्री पटेल विजय बहादुर सिंह कौरव निवासी ग्राम टेकन पुर, तह० गाडरवाड़ा जिला नरसिंगपुर (2) श्री पटेल खेम राजसिंह पुत्र पटेल बहोर सिंह लोधी निवासी बरखेडा तह० व जिला नरसिंगपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1. 865 हेक्टेयर भूमि खसरा नं० 30, 32 व 24/1 मौजा नकटुआ, बन्दोबस्त नं० 270 तह० व जिला—नरसिंगपुर ।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई, 1978

निदेश सं० आई० ऐं० सी०/एक्वी/भोपाल 78-79/1008

—अतः, मुझे रा० कु० बाली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बुलाकीदास नाथानी पुत्र श्री बद्रीदास नाथानी, सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण दास पुत्र श्री चन्दनमल निवासी नाहरपारा सिटी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 2/6, 14/5, व 15/4 ब्लॉक नं० 49, स्थित सिविल लाइन, रायपुर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी भोपाल 78-79/1009
—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष कुमार पुत्र श्री मुलायमचन्द्र जैन निवासी गलगला, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 142 (भाग) व 142/1, 141/1, और 141/3 (भाग) नजूल प्लॉट नं० 123 ब्लॉक नं० 101, 102 साथ भूमि क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायबख्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1010

—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हर्ष पटैरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटैरिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पाबाई जैन पत्नी श्री निर्मलचन्द्र जैन निवासी हनुमान ताल, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 143 (भाग), 142, 142/1 व 147/7
मनूल प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं० 101, 102 साथ भूमि
क्षेत्रफल 1200 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज, जबलपुर ।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० टी० सी० एववी/भोपाल 78-79/1011
—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में सम्मिलित रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
6-166GI/78

1 श्री हर्ष पटैरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटैरिया निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री शील चन्द्र जैन निवासी सरफा, जबलपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल नं० 141/6 (भाग) नजूल प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं० 101, 102 साथ भूमि क्षेत्रफल 390 वर्गफुट स्थित जोन्सगंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1012
—अतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री हर्ष पटैरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटैरिया
निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बगेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र श्री मुन्शी अम्बा-
प्रसाद श्रीवास्तव निवासी तुलाराम चौक, गंजीपुरा
वार्ड, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन का लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिमिपल नं० 143/1, ऊपरी भाग 143 व 141/11
(भाग) नजूल प्लॉट नं० 123 ब्लाक नं० 101, 102 क्षेत्रफल
1200 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-5-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नगरपालिका, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन श्रेष्ठ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1013—
अतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1977.
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री हर्ष पटैरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटैरिया निवासी
गोल बाजार, जबलपुर

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र हरीश चन्द्र जैन निवासी जोन्स गंज,
जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल प्लॉट नं० 123 (भाग) ब्लॉक, नं० 101,
102 साथ भूमि क्षेत्रफल 4292 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज,
जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 जून, 1978

निदेश सं० एल० सी० 189/78-79—यतः, मुझे, पी० ओ०

जॉर्ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिगकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोसफ (2) मेरी (3) तोमस (4) सैमण (5) पौली (6) डैड्स (7) आलीस (8) मेरी (legal heir of late Rochus) Ius (9) जोली रोकस (by Mary) (10) जस्सी (by Mary) (11) जोड़ (by Mary) (12) जोली (by Mary) (13) जरी (by Mary)

(अन्तरक)

2. अर्वूरहिवान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके ताकि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

पी० ओ० जोर्ज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 8 जून 1978

निदेश सं० एल० सी० 190/78/79—यतः मुझे, पी० ओ०
जोर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति (1) मेरी (2) पौली (3) आलीस (अन्तरक)
2. (1) श्री अब्दुलहिमान (2) अबू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14.300 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of
Ernakulam Village.

पी० ओ० जोर्ज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-6-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन धन भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 30 जून 1978

निर्देश सं० 71/78-79/IAC(A/C)/BSSR—यतः, मुझे,
अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खाटा नं० 80 है, जो मौजा-बड़गड़ (पश्चिम) में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-10-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमेय धन या प्रत्यक्ष आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्दुमती देवी (अन्तरक)
2. श्री विभूति भूषण सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और स्थिति मौजा-बड़गड़ (पश्चिम). भुवनेश्वर में
स्थित है। वह जमीन भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार अफिस में 12-10-
77 दिनांक में रजिस्टर्ड हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 6873 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज; भुवनेश्वर

तारीख: 30-6-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 6 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 72/78/79/ACCA/R/BBSR—यतः, मुझे,
अमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो चाबुलिया गंज में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जिला-सबर-जिदर, कटक में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
वर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती काजा बेवा, स्वामी नालु साहु (अन्तरक)

2. श्री बिजय कुमार पटनायक पिता ब्रह्मानन्द पटनायक
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान चाबुलियागंज कटक, में स्थित है। वह
जमीन जिला-सबरजिदर, कटक में 16-11-77 तारीख में
रजिस्टर हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 5677 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भुवनेश्वर

तारीख : 6-7-1978

मोहर :

प्ररूप आर्टी० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून, 1978

निर्देश नं० 1526/ अर्जन /मेरठ/77-78/1568—अतः
मुझे आर० सी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची की अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ, में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-11-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

1. श्याम मनोहर पुत्र दामोदर दास एवं श्रीमती सतोष
मनोहर एवं राजीव मनोहर पुत्र श्याम मनोहर नि० 207 वेस्ट
एन्ड रोड मेरठ, कैन्ट (अन्तरक)

2. श्री भगवत दास पुत्र नाथमल नि० 207, वेस्ट एन्ड रोड,
मेरठ कैन्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, मकान नं० 207
वेस्ट एन्ड रोड मेरठ कैन्ट, 66,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-6-78
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जून, 1978

निर्देश सं० अर्जन/1495-ए/कु० शहर/77-78/1923—

अतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० रायबरेली फ्लोर मिल्स बु० शहर द्वारा विजय
कुमार सिंहल व श्रीमती परसन्दी देवी 372
थापर हाउस, मेरठ।

(अन्तरक)

2. मे० राय बरेली फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड सी०-
32 लारेन्स रोड, देहली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्घोषकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति व पास में स्थित भूमि जो कि रायबरेली
फ्लोर मिल्स की है, अनूप शहर जिला बुलन्द शहर 321311 रु०
में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-6-78

मोहर :

आरूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मई, 1978

निर्देश सं० सीआर62/12388/78-79/एसीक्यू/6—यतः
 मुझे जे० एस० राव
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 87 पुराना 1782 (2) है, तथा जो IH टेम्पल
 रोड, 11वां फ़ास, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
 5-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
 या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री एस० कृष्णमूर्ती (वरदाप सेट्टी) पुत्र स्व० एन०
 वी० नरसिंहय्या नं० 160, लक्ष्मी नारायण
 पुरम, मेन रोड बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० बरतलक्षम्मा पत्नी श्री एस० सत्य
 नारायणा नं० 87, पुराना 1782 (2) टेम्पल
 रोड, IH मन, 11 फ़ास मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

(अन्तरिती)

4. श्री सत्य नारायणा ए० वी० कृष्णमूर्ती।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
 है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1793/77-78 ता० 5-10-77)

नं० 87, पुराना 1782 (2), IH मन, टेम्पल रोड,
 मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

बाध: पू: कारनता का

प: जीरोसे

उ: 11वां फ़ास रोड

द: श्रीकंदय्या का।

जे० एस० राव,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 26-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मई, 1978

निर्देश सं० सीआर-62/13477/78-79/एसीक्यू/6—

यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/1 है, तथा जो पोलीस स्टेशन रोड, बसवन-गुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-10-77

को पूर्वाज्ञ संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री टी० सेतुराम राव } पुत्रान स्व० टी०
(2) श्री टी० श्रीनिवासमूर्ती } मुन्नामय्या ।
(3) श्री टी० एस० रमेश } द्वारा टी० सेतुरामराव
(4) श्री टी० एस० शारदा }
6/15, पुलीस स्टेशन रोड, बसवनगुडी, बेंगलूर-4 ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बी० हेमावती पत्नी डा० चिक्वनसप्पा, सं० 2, सौत पुलिस स्कैर, बसवनगुडी, बेंगलूर-4 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1-72/77-78 ता० 6/10/77)

सारा संपत्ति का पश्चिम पोरणन का नं० 13/1,

पुलीस स्टेशन रोड, बसवनगुडी, बेंगलूर-4:

वांघ उ: पुलीस स्टेशन रोड,

पू: नं० 6/15 बेंडर का

द: कनसरबेनसी

प: बी० गोपाल राव का

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 26-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक: 15 जून 1978

निर्देश सं० सी० आर० नम्बर 62/13284/78-79/
5 सो० क०/क्यू०/—यतः मुझे, जे० एस० राव
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 166/9 है, तथा जो तीसरा क्रॉस. रोड,
लकासन्ना कस्टन्शन (डिवीजन सं० 36) (बलसन गारडन,
बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जयानगर
बेंगलूर, दस्तावेज सं० 17455/77-78 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, त० 24-
10-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अथवा अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बदरुल्ला—पत्नी मुहम्मद याकूब साहिब
सं० 166/9 3 वास रोड, लकासन्ना रावस्टेनपण
विलसन गारडन, बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री ए० जी० मुहम्मद मनाउल्ला पुत्र श्री ए० जी०
दस्तागिर, इन्नीनियर एल० एन० आई०, सं० 10,
11 सेन रोड, 4 टी० ब्लॉक, जयानगर,
बेंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1755/77-78 ता० 24-10-77)

सम्पत्ति सं० 166/9, III सेन रोड लकासन्ना
एक्स्टेन्शन विलसन गारडन, बेंगलूर (डिवीजन सं० 36)।

बौनडारीस :—

उत्तर : रोड

दक्षिण : सायड सं० 176

पूरब : सायड सं० 165

पश्चिम : सायड सं० 167।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15-6-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1978

सं० सीआर नं० 62/13475/78-79/ एक्यू'बी—यतः
मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० III मेन रोड, चामराजपेट बंगलूर सिटी डिवी सं० 26 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसावनगुडी दस्तावेज सं० 1460/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 6-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तिषों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण से मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1); के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर वेन्कटेश रामा राव पुत्र डाक्टर के० रामाराव, रिटायरेड मैडीकल प्राक्टीशनर सं० 31, धनकर मट रोड जनतरापोरम, बंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. श्री आर० रामामूर्ती पुत्र श्री एन० राजगोपाल नायडू (रिटायरेड इंजीनियर मैसर्स विश्व लिमिटेड बंगलूर) सं० 243, पदमालया, चामराजपेट बंगलूर-18।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1460/77-78 ता० 6-10-77]
सम्पत्ति सं० (नया) 243 (पुराना सं० 222) III मेन रोड, चामराजपेट, बंगलूर सिटी (डिवीजन सं० 26)।
बॉनडारीस :

पूर्व : घर सं० नं० 244 वेन्कटेशमूर्ती

पश्चिम : घर सं० नं० 242 कृष्णा रेड्डी

उत्तर : कनसरवेनसी लेन

दक्षिण : III मेन रोड, चामराजपेट।

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० सीआर62/14455/78-79/ सीक्यू/बी—यतः
मुझे, जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रहने का घर जिसका क्षेत्रफल सं० 5127 है, तथा जो हुडी हवामनतप्पा लेन में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बेंगलूर दस्तावेज सं० 2199/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 7-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वार्यों अर्थात् :—

1. श्री डब्ल्यू० एच० हनीमनतप्पा पुत्र हुडी हनीमनतप्पा
5/27 एच० एच० लेन, किल्लारी रोड, बेंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्री के० वेन्काबासा पुत्र संथोरा सं० 4/1, मोराप्पा-पेट, बेंगलूर-2।
(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती लक्षणा

(2) श्रीमती रगप्पा

(3) श्रीमती पम्मा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2199/77-78 ता० 7-11-77)
रहने का घर जिसका मनसीपल सं० 5/27 हुडी हन्मनताप्पा लेन, किल्लारी रोड, बेंगलूर।

बौनझारीस :

उत्तर : गोविन्दप्पा का घर

दक्षिणी : टी० रगास्वामी का घर

पूरब : मनसापल लेन (हुडाहत्ती और हनीमया का घर

पश्चिम : राररम्मा सम्पत्ति।

जी० एस० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून, 1978

निर्देश सं० सो० आर० 62/12923/78-79/ सीक्यू/बी

--वतः मझे, जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 17 है, तथा जो IV त्रास हछिछन्स रोड सेंट थामस टौण बंगलूर-5 (डिवीजन सं० 49) उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 1733/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जी० भूर्याकमारी पत्नी श्री एन० पुण्डरीतम सं० 33/1, सीटी अवेनियो रोड बंगलूर-42।

(अन्तरक)

2. डाक्टर ए० बी० बेलियेप्पा पुत्र लेट श्री ० बी० कोपडया।

"रामधिरता" कट्टा पी० ओ० दक्षिण करग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त व्यक्तियों के वर्गों के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1733/77-78 ता० 1-10-77)
मकान का सं० 17 V त्रास हुछिछन्स रोड सेंट थामस टौन, बंगलूर-560005।

बौनडारीस:

उत्तर प्लाट सं० 17/1 श्री एन पुण्डरीतम की सम्पत्ति
दक्षिण: प्लाट सं० 47

पूरुब: V त्रास हुछिछन्स रोड

पश्चिम: प्लाट सं० 42 और 43।

जी० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 17-6-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/13456/78-79/ए०सीकिया०/वि
—यतः मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 389/44 है, तथा जो 19 मैन रोड, I
ब्लाक राजाजीनगर, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर, दस्तावेज सं० 2540/77-78
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 26-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाधत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री के० बी० जयाराम पुत्र श्री हुसमने वईरप्पा सं०
389/44, 19th मैन रोड, I ब्लाक, राजाजीनगर,
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री आर० पलानिस्वामी पुत्र श्री के० रंगास्वामी
सं० 66, 2nd फ़ास हचचिन्स रोड एक्स्टेंशन, बंगलूर -
560005 या सं० 4 इंडस्ट्रीयल टाऊन, राजाजी
नगर, बंगलूर-560044।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2540/77-78 ता० 26-10-77

जो कुछ जगह पर सम्पत्ति में मिल कर है जिसको ट्रस्ट
बारड की साइट सं० 389 और जिसका नया कापोरेशन सं०
44 है तथा जो दो डिवीजन, 19th मैन रोड, I ब्लाक राजाजी
नगर, बंगलूर-10।

बोनडारीस : Boundaries

पूरब : रोड

पश्चिम : साईट सं० 415/सी

उत्तर : सारट सं० 388 और

दक्षिण : साईट सं० 389 ए और स्टारम वाटर ड्रेन।

जे० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जेंट रेंज, बंगलूर

तारीख : 21-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1978

निर्देश सं० 62/13192/78-79/एक्यू०/बी—यतः

मुझे, जे० एस० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह सं० 114 है, तथा जो बिन्नी-मंगला लेआउट, मैसूर सब एरीया आफिसरस हाऊसिंग कालोनी इन्दानगर बंगलूर (डिवी० 50) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर बंगलूर Doc. नं० 1857/77-78/ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-10-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

8-166GI/78

1. श्रीमती सरस्वती वेनकटरामया विधवा स्वर्ग० ले० कर्नेल वार्ड० वी० वेनकटरामया 'अरुना' राष्ट्रीय विद्यालय रोड़, वसतवानागुडी, बंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. श्री सी० वेनकटरामा रड्डी पुत्र रामी रड्डी न० 35/2 लानगफरड रोड बंगलूर 25।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1857/77/78 ता० 17-10-77]
खाली जगह (साईट) सं० 114, (बिन्नीमंगला ले मैसूर सब० एरीया आफिसरस कालोनी इन्दानगर बंगलूर (डिवी-50)।

बोनडारीस Boundaries

उत्तर: रोड़

दक्षिण: घर सं० 114

पूरब: घर सं० 115 और

पश्चिम: घर सं० 113।

जी० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

'सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-6-1978

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जून 1978

निर्देश सं० आर० सं० 62/13195/78 79/ए० सी०
 क्यू/बी—यतः मुझे जे० एस० राव
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है
 और जिसकी सं० 2 बी नया सं० 3 है, तथा जो सी० जे०
 डी'सौजा रोड दूसरा नाम हेस रोड क्रॉस बेंगलूर (डी० बी० 60)
 में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
 नगर बेंगलूर दस्तावेज सं० 1880/77-78 में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-
 10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या कितनी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

1. (1) श्री एम० सी० फीलीप पुत्र लेट एम० सी०
 चानडी से० 15 सी सेंट मारकस रोड बेंगलूर।
- (2) श्री एम० सी० थामपी, पुत्र लेट एम० सी० चानडी
 छामुवडी कयोरींग वर्कस मेटागल्ली पी० ओ० मैसूर।
 (अन्तरक)

2. मैसर्स पाल और पाल बिलडरस (Partnership
 Firm) आफिस जो 48, ग्रीन पार्क नई दिल्ली
 (Represented here in by its partner) मास्टर
 एस० पी० अंबराय। (अन्तरिती)
4. 22 पीत लेट श्री एम० सी० चानडी सं० 15 सी
 सेंट मारकस रोड बेंगलूर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
 अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 1880/77-78 ता० 17-10-77]

जो कुछ जगह दस्तावेज में लिखा है वह कारपोरेशन पुराना
 सं० 2 बी रेजीडेंसी रोड नया सं० 3 हेस रोड क्रॉस
 बेंगलूर 560001 (डीव 60)।

बाउण्ड्री :

उत्तर : सी० जे० डीसौजा या हेस रोड क्रॉस
 दक्षिण : घर सं० 7 रिचमंड रोड या होमेली।
 पूरब : घर सं० 2 सी० जे० डीसौजा रोड
 पश्चिम : घर सं० 4 सी० जे० डीसौजा रोड अब उसको
 "वी लारेलस" कहते हैं।

जे० एस० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 24-6-78

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जून 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/13213/78-79/ए० सी०

क्यू/बी—यतः मुझे, जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सं० 9 नया 21 है, तथा जो ओ० सं० 4 स्ट्रीट केवलरी रोड आस बेंगलूर 560042 (डिव 52) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बेंगलूर दस्तावेज सं० 1969/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-10-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

1. श्री डी० पनमोगम पुत्र लेट दक्षीनमूर्ती मुदलियार सं० 136, जी० नं० फस्ट स्ट्रीट माधवा मुदलियार रोड फरेषर टाउन बेंगलूर 5।

(अन्तरक)

2. श्री बी० पानडोरंगा राव पुत्र लेट बी० सुब्बणा राव सं० 3 जी० सं० फस्ट स्ट्रीट लक्ष्मणा मुदलियार स्ट्रीट करास और कमरशियल स्ट्रीट आस बेंगलूर 1। (अन्तरिती)

3. (1) श्री डी० बालासुब्रामनियम

(2) श्री सुबाष पटाले

(3) श्री मुनदेव राव और

(4) श्री गजनाना राव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1969/77-78 ता० 28-10-77]

जो कुछ दस्तावेज में लिखा गया है मुनसीपल कारपोरेशन पुराना सं० 9 नया सं० 21 ओ० (०) सं० 4 स्ट्रीट केवलरी रोड आस बेंगलूर-42 (डिव-53) (डिवीजन-53)।

बीनडरीस :

उत्तर : कुलुंडा षट्टी का घर

दक्षिण : ओ नं० 4 स्ट्रीट

पूर्व : सेषप्पा मुदलियार का घर

पश्चिम : सी० एन० कृष्णा मूर्ती का घर।

जी० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख : 24-6-78

मोहर :

प्रासूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी०-7/अक-II/कल/78-79—यतः

मुझे, आर० सी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 23ए/17एस है तथा जो डायमण्ड रोड, कलकत्ता 27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एंशुरेसेंस कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाव का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री नन्दलाल जालान
- (2) श्री जहरमल जालान
- (3) श्री इन्द्र चांद जालान
- (4) श्री माधवलाल जालान
- (5) श्रीमती शान्ति देवी जालान
- (6) श्री सीता देवी जालान
- (7) श्रीमती चन्द्रलेखा देवी जालान
- (8) श्रीमती अन्नपूर्णा जालान

10, विष्णु रास बिहारी बोस रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री नीरोध कान्ति घोष

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दक्षिण पश्चिम एपार्टमेंट सं० 9-डी, सम्पत्ति सं० 23
ए/17 एस० डायमण्ड हारबार रोड, कलकत्ता-27।

आर० सी० लालमोया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 31-5-78

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी०-14/अर्जन रेंज-IV /कल०/78-79—

अतः मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9-बी है तथा जो आबुल रसुल एवेन्यु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नन्द कुमार चौधुरी तथा श्रीमती रेनुका चौधुरी
(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजली सेन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

छः मंजिला मकान के सम्पूर्ण दूसरा मंजिल जो कि 9-बी, आबुल रसुल एवेन्यु, थाना टालिगंज, कलकत्ता में स्थित है, साथ 3 कट्ठा 2 छटाक 13 स्कोयर फीट जमीन के 1/5 हिस्सा जैसे कि 1977 के दलिल सं० 4804 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 14-6-1978
मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी०-18/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—

अतः मुझे पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो होल्डी सं० 98, वार्ड सं० V, सिलिगुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को 16-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स पीयारि लाल अग्रवाल एण्ड क०

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1000 स्क्वेयर फिट जमीन साथ में दो मंजिला मकान का अविभाजित 1/3 अंश, होल्डी सं० 98, वार्ड सं० V, सिलिगुड़ी म्युनिसिपलिटी, दार्जिलिंग, जैसे के दलील सं० 63148 दि० 16-11-1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 27-6-1978

मोहर :

प्ररूप आइ० वी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी०-20/रेंज-2/78-79—अतः मुझे, आर० वी० लालमोया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेसटिंग पार्क, अलीपुरे में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से स्थित है), रजिस्ट्रार-अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ प्लानेस, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स अशोका मैन्युफैचरिंग लिमिटेड 8, केभाक स्ट्रीट कलकत्ता।

(अन्तरक)

3. श्रीमती चन्द्रा मुखर्जी पी०-99, ब्लॉक वी०, लेक टाऊन, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एपार्टमेंट नं० 21 आफ राजश्री बनाये आशिक 9, हेसटिंग पार्क, अलीपुर, प्लॉट का माप-291.37 स्क्वयर मीटर और घेराउ-पारकि जायगा-2 मोटर गाड़ी के लिये।

आर० वी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, 54, रफीअहमद किरदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 4-7-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-1414(666)/10-4/
77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० "शार्दा टोकीज" सर्वे नं० 1194 तथा 1190,
है। तथा जो बैठक रोड़, जाम खमभालिया, जामनगर में स्थित
है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खमभालिया
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जामा चाहिए या ठिगाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-166GI/78

1. श्री सतवरा दामजी हीरा भाई नाकूम तथा अन्य
खम्भालिया डी० जामनगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सतवरा बेला रानमल नाकूम,

(2) श्री रुडा रानमल नाकूम,

(3) श्री गोविंद रानमल नाकूम,

(4) श्री देवजी रानमल नाकूम, शार्दा टोकीज, खम्भालिया
खम्भालिया, डी० जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक सिनेमा बिल्डिंग जो "शार्दा टोकीज" के नाम से
प्रख्यात है तथा जिसका सर्वे नं० 1194-1190 है तथा जिसका
कुल क्षेत्रफल 824.16 वर्ग मीटर है तथा बैठक रोड़ पर जाम
खम्भालिया में डि० जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण
वर्णन 14-11-77 वाले विन्नी दस्तावेज नं० 811 में दिया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० यू०-23-1-1568(672)/16-6/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जागनाथ प्लाट है तथा जो जागनाथ प्लाट,
राजकुमार कालेज के पीछे, राजकोट में स्थित है और (इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1909 का 16) के अधीन 21-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐपो फिरो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कनकलता गुनवंतराई "पुरुषार्थ" जागनाथ
प्लाट, राजकुमार कालेज के पीछे, राजकोट।
(अन्तरक)

2. (i) डा० अनंदराम हुकुमतराए,
(ii) श्री दूषचंद हुकुमतराए,
(iii) श्रीमती मोरिनीबेन डीलाराम,
(iv) श्री हरेणकुमार हुकुमतराए, सदर बाजार, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि-
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 495 वर्गगज भूमि पर स्थित है
तथा जो जागनाथ प्लाट पर, राजकुमार कालेज के पीछे
राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन, 21-11-77
वाले विक्री दस्तावेज नं० 2949 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-78

मोहर :

प्रकृष आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1505(673)/16-5/77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रेव यार्ड के सामने, जूना ट्राम्वे स्टेशन यार्ड के पास, है तथा जो जूना पांजरा पोल, मोरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्रीमती कंचन गौरी जमनादास कोटक, शक्ति परा, मोरबी।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती निरमला जीवाभार शेठ,

(2) श्रीमती जयश्री मणैवरी शेठ,

(3) श्रीमती निरंजना धरमेन्द्र कुमार शेठ, मारफत : मैसर्स जेराम मूलजी केरिसयावाला, बाजार लेन, मोरबी।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री वालजी शिवजी बारदानवाला,

(2) श्री बल्लभदास छगनलाल दलाल,

(3) श्री गिरधर लाल रावजीभाई दलाल,

(4) श्री अमृतलाल देवाजी भाई दलाल,

(5) श्री पटेल मेघजी परशोत्तम,

(6) श्री मालीया तालुका खरीद बेचन संघ, जूना ट्राम्वे रेलवे लाईन के पास, शक्ति परा, मोरबी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो आठ गैरेज सहित है तथा जो 444' 43 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जो ग्रेव यार्ड के सामने, जूना ट्राम्वे स्टेशन यार्ड के पास, जूना पांजरा पोल, मोरबी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-11-77 वाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून, 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1498(675)/16-6/77 78—अतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 33, सर्वे नं० 387-388, है तथा जो एस० टी० बस स्टैंड के पीछे, गोंडल रोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख : 3-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तिनों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मिसर्स पोलीराईड प्लास्टीक इंडस्ट्रीज की ओर से भागीदार :—

- (1) श्री सावजीभाई जीवाभाई पटेल
- (2) श्री विनोद कुमार सावजीभाई पटेल
- (3) श्रीमती मंजूला रमणीकलाल पटेल,
- (4) श्री अमृत लाल सावजीभाई पटेल,
- (5) श्री परशोत्तमभाई परेमजीभाई पटेल,
- (6) श्री विठ्ठलभाई सावजीभाई पटेल, स्सयं" तथा (1) से (5) भागीदारों की ओर से, पावर आफ एटारनी होल्डर :—

60, कोरेंचा नगर, कलावाड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री त्रिजलाल गोकलदास मावाणी करता तथा एच० यू० एफ० का प्रमुख :

श्री त्रिजलाल गोकलदास मावाणी, मावाणी सदन 2, सरदार नगर-वेस्ट राजकोट 360001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1022.4 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 387-388 प्लॉट नं० 33, है तथा जो एस० टी० बस रोड के पीछे, मानसाईत इंडस्ट्रीज के वेस्ट में, गोंडल रोड़ पर, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वरणन 3-11-77 वाले बित्री दस्तावेज नं० 288 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 592, ए० सी० ब्यू० 23-
1031/198/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० (513) बार्ड नं० 9 है तथा जो
कोट सफल मेन रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लल्लुभाई केवलदास, मिली, 9/509 कोटसफल,
मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकोर भाई त्रिभुवनदास सगरामपरा, चोगान
छेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो जमीन सहित है तथा जिसका बार्ड
नं० 9, नोंध नं० 513 है तथा जो कोटसफल मेन रोड पर सूरत
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन नवम्बर 1977 वाले बिन्नी
वस्तावेज नं० 1918 में दिया गया है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० पी० आर० नं० 593, ए० सी० क्यू०-23-977/
7-4/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 60, सिटी सर्वे नं० 3101, है तथा जो आपा नगर नवसारी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री भीष्मीबेन छोटालाल पटेल,
(2) श्री गीरीष कुमार छोटालाल,
(3) श्री किरीत कुमार छोटालाल, पावर ऑफ एटारनी होल्डर आफ:—
(2) और (3)—
श्री छोटालाल परशोत्तमदास पटेल धोबीवाड़ा, नवसारी।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनचंद्र जीवराज मेहता, उरमीलाबेन प्रवीनचंद्र मेहता आशानगर, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 480-11 वर्ग मीटर है तथा जिसका टीका नं० 60 सिटी सर्वे नं० 3101 है तथा जो आशानगर, नवसारी में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन नवम्बर 1977 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 3175 में दिया गया है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-7-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1438(680)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 568/1, 568/2, 568/3, है तथा जो गांव बेजलपुर, ता० मिटी डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजन अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती दीवालीबेन चूथाजी विधवा अमरामजी
- (2) श्री प्रहलादजी चूथाजी ठाकोर,
- (3) श्री भलाजी चूथाजी ठाकोर, गांव बेजलपुर, तह: मिटी, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सवगन पार्क को० आप० हा० सोसायटी लि०

की ओर से प्रमुख—

(i) श्री बेलजीभाई रामजीभाई जादव, गांधी सक्टर 22, ब्लॉक 2/3, I

(ii) सेक्रेटरी : श्री मोतीभाई डूगरभाई परमार, ब्लॉक-24 बी, सौराष्ट्र सोसायटी, आम्बावाड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2057 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 568/3 है तथा जो 24-11-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 7888 में वर्णन किया गया है। तथा दो खुली जमीन वाले प्लॉट जिसका अलग अलग क्षेत्रफल 2299 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 568/1 तथा 568/2 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 24-11-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 7889 में दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, अहमदाबाद

तारीख : 5-7-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून, 1978

निर्देश सं० एस० 165/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 95/43 है तथा जो आर्य समाज मंदिर रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपुत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्रीमती कमला देवी (अन्तरिक)
- (2) श्रीमती शान्ती देवी (अन्तरिती)
- (3) श्री राम निवास अग्रवाल, बद्री नाथ अग्निहोत्री व श्रीमती शान्ति देवी के पति श्री मनहरन प्रसाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री इड० रुजवेल्ट (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना तारीख 8 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकतापूर्वक करती है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान क्षेत्रफल-भूमितल 128.05 वर्ग मीटर व प्रथम तल 104 वर्ग मीटर नम्बरी 95/43 आर्य समाज मन्दिर रोड, लखनऊ तथा उक्त सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी संख्या 3969 व सेलडीड में लिखी है जो कि दिनांक 21-11-1977 को सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-6-1978
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 9th June 1978

No. A. 32013/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint S/Shri S. P. Sharma and P. N. Mukherjee, permanent Grade I officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission and working as Under Secretaries in the same cadre, to officiate in Selection Grade of the CSS as Deputy Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period from 8-5-78 to 30-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

S. N. BAJPE
Jt. Secy.

New Delhi-110011, the 15th May 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis for a period of 60 days w.e.f. 2-5-1978 to 30-6-1978 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further the appointment is subject to the approval of Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 2nd June 1978

No. A. 12024/4/77-Admn. I.—Shri S. P. Chakravarty, a permanent Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, who was earlier appointed as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission upto 30-9-1977 *vide* this office notification No. P/27 I-Admn. I dated 22-8-1977 has been appointed to the post of Officer on Special Duty (Confidential) for a further period upto 17-10-1977 on usual deputation terms.

The 16th June 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Mehra, a permanent officer of Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the CSS for the period from 8-5-78 to 30-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the services for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	B.S. Kapur	8-5-78 to 30-6-78
2.	P.C. Mathur	10-5-78 to 9-6-78
3.	J.P. Goel	15-5-78 to 30-6-78
4.	R. N. Khurana	15-5-78 to 14-6-78
5.	B.R. Verma	1-5-78 to 8-7-78

No. A. 32013/1/78-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 29-5-78, the President has been pleased to allow Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period 1-6-78 to 31-8-78 or until further orders whichever is earlier

10—166GI/78

The 24th June 1978

No. A. 19013/2/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Vinay Jha, IAS to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, New Delhi effect from 16-6-1978(AN), until further orders.

The 30th June 1978

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn. III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Commerce for appointment as Section Officer *vide* DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(I) dated 15-3-78, Shri Raghbar Dayal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on *ad hoc* basis *vide* Union Public Service Commission Notification No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 24-5-1978, has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30-6-78.

P. N. MUKHERJEE
Dy Secy. (Admn.)
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 29th June 1978

No. A-19019/2/78-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Singh, IPS (1949-Bihar), as Special Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 20th June, 1978 and until further orders.

K. K. PURI
Dy. Director (Admn.)
C. B. I.

New Delhi, the 29th June 1978

No. A-19036/11/78-AD.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S. P. E. hereby appoints Shri V. H. Mirajkar an Officer of Maharashtra State Police who is on deputation as Inspector of Police in EOW Branch of CBI at Bombay to officiate as Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, S. P. E. with effect from the forenoon of 3-6-1978 and until further orders.

M. K. AGARWAL
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st June 1978

No. O. II-279/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service Shri D. P. Sharma relinquished charge of the post of Commandant 6th Bn., CRPF on the afternoon of 30-11-77.

The 15th June 1978

CORRIGENDUM

No. O. II. 1081/78-Estt.—In this Dte. General Notification No. O. II. 1081/78-Estt. dated 24th February 1978, the name of the officer may please be read as 'Dr. K. Vijaya' Kumar' instead of 'Dr. Vijay Kumar Kodali'.

No. O. II. 1083/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sushil Dattatraya Kinikar as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S. P./Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-5-1978 until further orders.

The 29th June 1978

No. O.II.36/75-Estt.—The President is pleased to appoint Shri I. K. Sehgal, Assistant Director (Accounts), CPAU, CRPF as Deputy Director (Accounts), CRPF on *ad hoc* basis w.e.f. 25-5-78 to 10-9-78.

No. O.II.10/43/76-Estt.—The President is pleased to re-employ on *ad hoc* basis Lt. Col. (Retd) R. L. Sircar, as Medical Superintendent in the Directorate General, CRP Force with effect from 17-6-78 (FN) until further orders.

The re-employment of Lt. Col. (Retd) R. L. Sircar as C.M.O. in the CRP Force stands terminated with effect from 17-6-78 (FN)

The 1st July 1978

No. O.II-1053/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Miss) V. R. Kalyani, JMO (GDO, Gd.II) of Group Centre CRPF Pallipuram with effect from the forenoon of 19-5-78.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 3rd July 1978

No. 814-CA.1/30-78.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appointment them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:

Name of the Section Officer (commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on pro- motion as audit Officer (Commercial)	Date of posting as offg. A.O. (C)
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. K. Maitra	MAB & Ex- officio DCA, Calcutta	MAB & Ex- officio DCA, Calcutta	30-1-78 (FN)
2. Y.V.S. Sharma	AG.II, Tamil Nadu	AG.II, Tamil Nadu	24-1-78 (AN)
3. K.K. Das	AG.II, West Bengal	MAB & Ex- officio DCA (Coal) Calcutta	28-1-78 (FN)
4. K.J. Divckar	AG(S&CD) Bombay	MAB & Ex- officio DCA, Bombay	27-1-78 (FN)
5. S.N. Mala Kar	MAB & Ex- officio DCA (Coal) Calcutta	MAB & Ex- officio DCA, Ranchi	6-2-78 (FN)
6. V.V. Rama- murthy	AG.II, Andhra Pradesh	AG. Orissa	25-2-78 (FN)
7. Niranjan Mondal	MAB & Ex- officio DCA, Calcutta	AG. Assam etc. Shillong	27-2-78 (FN)
8. P. J. Abra- ham	AG. Kerala	MAB & Ex- officio DCA, Ranchi	27-2-78 (FN)
9. Joygopal Mondal	MAB & Ex- officio DCA, Calcutta	AG. Assam etc. Shillong	27-2-78 (FN)
10. S.V. Swami- nathan	AG II, Tamil Nadu	AG. Orissa	23-2-78 (FN)
11. Som Nath Saproo	AG. J & K	AG. J & K	25-1-78 (AN)
12. M.V. Pan- dharo	AG(S&CD) Bombay	AG.II, Madhya Pradesh	6-2-78 (FN)

(1)	(2)	(3)	(4)
13. H.C. Var- man	MAB & Ex- officio DCA, Madras	MAB & Ex- officio DCA, Madras	27-2-78 (FN)
14. S. Hari- haran	AG.II, Tamil Nadu	MAB & Ex- officio DCA, Ranchi	22-2-78 (AN)
15. R. Rajagopa- lan	-do-	AG. Orissa	30-1-78 (FN)
16. V. Ananda Mohan	AG.II, Andhra Pradesh	AG.II, Bihar	24-2-78 (AN)
17. S.D. Ranga Rao	MAB & Ex- officio DCA, Bangalore	-do-	22-2-78 (AN)
18. R.B. Nema	AG.II, Madhya Pradesh	AG.II Madhya Pradesh	27-1-78 (FN)
19. M.B. Agar- wal	CA.CA, Bhopal (MAB & Ex- officio DCA Bombay	AG. HP & Chandigarh, Simla	27-8-78 (FN)

S.D. BHATTACHARYA,
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

WESTERN RAILWAY

Bombay, the 30th June 1978

No. SA/HQ/Admn/IX/6/Vol. IV/2043.—Shri M. G. Bhatia, permanent Section Officer of this office, has been promoted to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 20th June 1978 (F.N.).

A. N. BISWAS
Chief Auditor.

OFFICE OF THE CDA (ORs) SOUTH

Madras-18, the 9th June 1978

ORDER

ORDER OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED
UNDER THE PROVISIO TO SUB-RULE (1) OF RULE 5
OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES (TEMPORARY
SERVICES) RULES, 1965

No. AN/II/SB-2749.—In pursuance of the proviso to Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri R. BALAKRISHNAN, Ty. Chowkidar, SB No. 2749 and direct that he shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service, or, as the case may be, for the period by which such notice falls short of the month.

R. VENKATARAMAN
Controller of Defence Accounts (ORs) South
Madras-18.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 28th June 1978

No. 31/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri R. K. Ghosh, Offg. Manager (Subst & Permit. Dy. Manager) retired from service w.e.f. 31-1-78 (AN).

No. 32/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri I. B. Ghosh, Subst. & Permt. Asstt. Director General, Ordnance Factories Grade II, retired from service w.e.f. 31st May, 1978 (AN).

V. K. MEHTA
Assistant Director, General Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
& EXPORTS

New Delhi, the 1st July 1978

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/155/54-Admn(G)/4670.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period of three days w.e.f. the 1st January, 1978, to 3rd January, 1978.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A—1)

New Delhi-1, the 30th June 1978

No. A-1/1(954).—Shri S. N. Dutta, permanent Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the Director of Inspection (Met.), Burnpur retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

(ADMN. SECTION A—6)

No. A6/247(331)/61/II.—The President has been pleased to appoint Shri P. K. Gayen, Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of grade III of Indian Inspection Service Group A on regular basis w.e.f. the forenoon of 16th May, 1978.

Shri Gayan was promoted as Asstt. Director of Inspection (Met.) on *ad hoc* basis at Calcutta sub-office under the Metallurgical Inspectorate Burnpur w.e.f. 8-11-77 (F.N.).

Shri Gayan will be on probation for a period of 2 years from 16-5-78.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 30th June 1978

No. A-1/1(1122).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. R. Subramanian, Supdt. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, to officiate on regular basis as Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay with effect from the forenoon of 1-6-78 of until further orders.

No. A-1/1(1124).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. Naronha, J. P. O. in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate as Asstt. Director (Grade II) on *ad hoc* basis in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from 30-5-78 (FN) and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A—6)

New Delhi, the 30th June 1978

No. A6/247(287)/60-II.—Shri K. N. Ganguly, permanent physical Assistant and officiating as Inspecting Officer in Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' in the Calcutta Inspection Circle of this Dte. General of Supplies & Disposals has been retired from Govt. service on 30-4-1976 (AN) under F.R. 36(j).

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 20th June 1978

No. A-6/247(92)/58/IV.—The President has been pleased to appoint Shri C. R. Sircar, a permanent officer of Grade I of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate on *ad hoc* basis as Dy. Director General (Inspection) with effect from the forenoon of 13th June, 1978 and until further orders.

2. Shri Sircar relinquished charge of the post of Director of Inspection in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi and assumed charge of the post of Dy. Director General (Inspection) in the same office on the forenoon of 13th June, 1978.

No. A-6/247(458)/63.—The President has been pleased to appoint Shri G. Balakrishnan, an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate in Grade 1 of the Service, Group 'A' on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 13th June, 1978 and until further orders.

2. Shri G. Balakrishnan, relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) at Madras on the afternoon of 31st May, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Dte. General of Supplies and Disposals at New Delhi on the forenoon of 13th June, 1978.

No. A-6/247(295)/65-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Majumdar Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group 'A') on regular basis w.e.f. 16-5-78 (FN) and until further orders.

Shri Majumdar relinquished the charge of the post of AIO (Met.) on 15-5-78 (AN) and assumed charge of the post of ADI (Met.) from the forenoon of 16th May, 1978 in the office of DI (Met.) Jamshedpur.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st July 1978

No. A. 19011(154)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ghosh, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

No. A. 19011(121)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Raju, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

No. A. 19011(166)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

The 3rd July 1978

No. A.19011(165)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Agarwala, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Ore Dressing Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 1100—50—1600/- with effect from the afternoon of 9-6-78.

S. BALAGOPAL
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th June 1978

No. A 12025/11/77-SI.—The President is pleased to appoint Shri M. Jogayya Assistant Factory Manager to the post of Depot Manager (Group A Gazetted) Govt. Medical Stores Depot, Madras with effect from the forenoon of 17-6-78 and until further orders.

SANGAT SINGH,
Dy. Dir. Admn. (Stores)

New Delhi, the 1st July 1978

No. A.12026/33/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Dental Surgeons on *ad hoc* basis under the Central Government Health Scheme, Delhi for the period mentioned against their names :—

- (1) Dr. (Smt.) Sushma Mathur—with effect from 13th March, 1978 and until further orders.
- (2) Dr. R. K. Khullar with effect from 13th March, 1978 to 12th June, 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 28th June 1978

No. RAPP/Rectt./7(6)/78/S/861.—The Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri K. K. Balan a quasi-permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Security Officer in a temporary capacity in the Project with effect from the forenoon of 5th April, 1978 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 28th June 1978

No. A.32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of Shri N. Subramanian to the post of Assistant Electrical & Mechanical Officer, Delhi Airport, Palam, for a further period from 26th October, 1977 to 30th September, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 30th June 1978

No. A.38015/14/78-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri S. K. Sharma, Asstt. Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay on 24-5-78.

S. D. SHARMA
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 29th June 1978

No. 8/78.—On his transfer, Shri M. M. Shiraz, Assistant Collector, Central Excise Collectorate, Pune has assumed the charge of the Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the forenoon of 12th June, 1978, relieving Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector of the Additional charge.

M. R. PAROOLAKER
Collector.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 28th June 1978

No. A-32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Smt. Vijayam Ravindranathan Supervisor, on promotion to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a regular basis in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 17th June, 1978, until further orders.

2. Smt. Vijayam Ravindranathan will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 30th June 1978

No. 1/16/69-ECIX.—Shri J. M. Benjamin, Chief Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June, 1978 (AN).

No. 1/333/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 23-3-78 given by Shri Sangat Singh, Permanent Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri Sangat Singh stands retired from service with effect from 30-6-78 (AN).

KRISHNA KANT, Dy. Dir. of Admn.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY
COMPANY LAW BOARD

Pandur, the 28th June 1978

No. E/55/III/92(9)—The following Officers of the Signal and Telecommunication Department are confirmed in Class II service as Assistant Signal and Telecommunication Engineer with effect from the date mentioned against each.

S.No.	Name of Officer	Date from which confirmed
1.	Shri K.C. Chakraborty	16-10-77
2.	Shri D.K. Ghosh	1-12-77

M.R.N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Home Properties Private Limited

Madras-600 006, the 30th June 1978

No. 869/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Home Properties Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
M. M. Sales and Exports (India) Private Limited."*

Kanpur, the 30th June 1978

No. 6527/3158-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the M. M. Sales and Exports (India) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. SAH
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
Safri Travels Limited."*

No. 6591/3391-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Safri Travels Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 27th June 1978

ORDER

F. No. JUR/DLI/IV/III/78-79/9516—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Wards in Distt. III mentioned in Column 2 shall be redesignated as mentioned in Column 3.

Sl. No.	Present name of the ward	Redesignated name of the ward
1	2	3
1.	District III(7) Addl. New Delhi	District III-A(1), New Delhi.
2.	District III(30), New Delhi	District-III-A(2), New Delhi.
3.	District III(1), New Delhi.	District III-A(3), New Delhi.
4.	District III(14), 1st Addl. New Delhi	District-III-A(4), New Delhi.
5.	District III(2), New Delhi.	District IIIA(5), New Delhi
6.	District III 1st Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-A(6), New Delhi.
7.	District III(34), New Delhi.	District III-A(7), New Delhi.
8.	District III(7), New Delhi.	District III-A(8), New Delhi.
9.	District III(32), New Delhi.	District III-A(9), New Delhi.
10.	District III Vth Addl. Survey Circle New Delhi.	District III-A(10), New Delhi.
11.	District III(26), New Delhi.	District III-B(1), New Delhi.

1	2	3
12.	District III(16), Addl. New Delhi	District III-B(2), New Delhi.
13.	District III(16), New Delhi.	District III-B(3), New Delhi.
14.	District III (9), New Delhi	District III-B(4), New Delhi.
15.	District III(8), New Delhi.	District III-B(5), New Delhi.
16.	District III Survey Circle, New Delhi	District III-B(6), New Delhi.
17.	District III(18), New Delhi.	District III-B(7), New Delhi.
18.	District III(25), New Delhi.	District III-B(8), New Delhi.
19.	District III(5), New Delhi.	District III-C(1), New Delhi.
20.	District III(6), New Delhi.	District III-C(2), New Delhi.
21.	District III(4), New Delhi.	District III-C(3), New Delhi.
22.	District III(11), New Delhi.	District III-C(4), New Delhi.
23.	District III(24), New Delhi.	District III-C(5), New Delhi.
24.	District III(10), New Delhi.	District III-C(6), New Delhi.
25.	District III(12), New Delhi.	District III-C(7), New Delhi.
26.	District III Survey Circle, New Delhi.	District III-C(8), New Delhi.
27.	District III(13), New Delhi.	District III-C(9), New Delhi.
28.	District III(17), New Delhi.	District III-C(10), New Delhi.
29.	District III(3), New Delhi.	District III-D(1), New Delhi.
30.	District III(14), New Delhi.	District III-D(2), New Delhi.
31.	District III(15), New Delhi.	District III-D(3), New Delhi.
32.	District III(28), New Delhi.	District III-D(4), New Delhi.
33.	District III(29), New Delhi.	District III-D(5), New Delhi.
34.	District III(35), New Delhi.	District III-D(6), New Delhi.
35.	District III 3rd Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-D(7), New Delhi.
36.	District III 4th Addl. Survey Circle, New Delhi.	District III-D(8), New Delhi.

This order shall take effect from 1-7-1978.

INCOME-TAX

No. Jur/DLI/IV/78-79/9642.—In supersession of all previous orders under Section 124 and 127 on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officers of District-III mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in Column 3 of the said Schedule other than persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 124 and u/s. 127 of the said Act by the C.I.T./Board to any other Income-tax Officers :—

2. Within the limits of the areas assigned to any Income Tax Officer, he shall have jurisdiction :—

- (a) In respect of any person carrying on a business or profession, if the place at which he carries on his business or profession is situated within the area or where his business or profession is carried on in more places than one, if the principal place of his business or profession is situated within the area; and
- (b) In respect of any other person residing within the area.
- (c) This notification shall have effect from 1-7-1978.

The 1 July 1978

No. JUR/DLI/IV/IAC/78-79/9868—In partial modification of this office Notification F.No. JUR/DLI/IV/77-78/1476 dated 19-4-1977 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling power in this behalf, the Commissioner of Income-Tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the District/Circles mentioned in column 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Name of the Range	Income-tax Districts/ Circles
1. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Range-III-A, New Delhi.	1. Distt. III-A-1 2. Distt. III-A-2 3. Distt. III-A-3 4. Distt. IIIA-4 5. Distt. III-A-5 6. Distt. III-A-6 7. Distt. III-A-7 8. Distt. III-A-8 9. Distt. III-A-9 10. Distt. III-A-10
2. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-B, New Delhi.	1. Distt. III-B-1 2. Distt. III-B-2 3. Distt. III-B-3 4. Distt. III-B-4 5. Distt. III-B-5 6. Distt. III-B-6 7. Distt. III-B-7 8. Distt. IIIB-8 9. Tpt. Circle, 10. Ist Addl. Tpt. Circle
3. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-C, New Delhi.	1. Distt. IIIC-1 2. Distt. IIIC-2 3. Distt. IIIC-3 4. Distt. IIIC-4 5. Distt. IIIC-5 6. Distt. IIIC-6 7. Distt. IIIC-7 8. Distt. IIIC-8 9. Distt. IIIC-9 10. Distt. IIIC-10
4. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-D, New Delhi.	1. Distt. IIID-1 2. Distt. IIID-2 3. Distt. IIID-3 4. Distt. IIID-4 5. Distt. IIID-5 6. Distt. IIID-6 7. Distt. IIID-7 8. Distt. IIID-8

The notification shall take effect from 1-7-1977.

OFFICE ORDER

Sub: Distribution of workload amongst T.R.Os

F. No. C I T-IV/JUR/TRO/78-79/In supersession of all previous orders on the subject, the C.I.T. Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the T.R.Os,

mentioned below shall perform their duties in respect of the District Wards as fall within the I.A.Cs Range mentioned column 4 with effect from 1-7-1978.

S. No.	Designation	Allocation of work	Administrative control of IAC
(1)	(2)	(3)	(4)
1. T.R.O. VI New Delhi	<i>Erstwhile wards</i> Distt. III(1), III(2), III (7) III (7) Addl. III (14) 1st Addl LEVa Cir. III(30) III(32), III(34) 1st Addl. sur. Cir. III All cases assigned u/s 125(1) to 100 IAC ACR-IIIA. <i>Newly Redesignated Wards:</i> Ward III-A(1), III-A(2) III-A(3), III-A(4), III-A(5), III-A(6), III-A(7), III-A(8), III-A(9) & III-A(10)		I.A.C. III-A
2. T.R.O. XII, New Delhi	(i) <i>Erstwhile Wards</i> Distt. III(8), III(9) III(16), III(16) Addl. III(18), III(25), III(26), Sjrvey Circle III (ii) Transport Circle, New Delhi. (iii) Ist Addl. Transport Circle, New Delhi. <i>Newly Redesignated Wards:</i> (i) Ward III-B(1), III-B(2) IIIB(3), IIIB(4), IIIB(5) IIIB(6), IIIB(7) & IIIB(8) (ii) Transport Circle. (iii) Ist Ad l. Transport Circle, New Delhi.		I.A.C. III-B
3. T.R.O. VII New Delhi.	Distt. III(4), III(5), III(6), III(10), III(11) III(12), III(13) 2nd Addl. Survey Circle III, III(17) and III(24). <i>Newly redesignated wards:</i> III(C)(1), III-C(2), III-C(3), III-C(4), III-C(5), III-C(6), III-C(7), III-C(8), III-C(9) and III-C(10)		I.A.C. Range III-C
4. T.R.O. XIX New Delhi	<i>Erstwhile wards:</i> 1. Districts III(3), III(14), III(15), III(28), III(29) and III(35). 2. 3rd Addl. Survey Circle-III New Delhi. 3. 4th Addl. Survey Circle-III New Delhi. <i>Newly redesignated wards:</i> District III-D(1) District III-D(2) District III-D(3) District III-D(4) District III-D(5) District III-D(6) District III-D(7) District III-D(8) New Delhi.		I.A.C. Range-III-D New Delhi

A.J. RANA,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th June 1978

Ref. No. S-165/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

95/43 situated at Arya Samaj Mandir Road, Ganesh Ganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Devi
(Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi
(Transferee)
- (3) Shri Bamniwas Agarwal Badri Nath Agnihotri & husband of Smt. Shanti Devi.
(Person in occupation of the property)
- (4) Ed. Rooswalt
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 95/43 measuring 188.005 Sqr. Meter at ground floor and 104 Sqr. meter at 1st floor situate at Arya Samaj Mandir Road Ganesh Ganj, Lucknow and all that mentioned in saledeed and form 37-G No. 3969 dated 21.11.1977 registered at the office of Chief Sub-Registrar, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. CHD/108/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2½ storey house No. 3183, Sector 21-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vijay Kumar Sehgal s/o Sh. Dwarka Dasa Sehgal, C/o Sehgal Santary Fittings (P) Ltd., Vill. Chuharwali, p.o. Adampur Doaba. Dist. Jullundur (Punjab).

(Transferor)

(2) Sh. Parma Nand Garg s/o Sh. Ram Kishan Dass R/o 308, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) (i) State Bank of India, Ground Floor, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(ii) Sh. P. C. Gupta, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(iii) Sh. Ram Nath Thapner, H.No. 3183, 21-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house No. 3183, situated at Sector 21-D, Chandigarh and having an area of 249.40 sq. yds.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1297 dated 28-2-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. CHD/105/77-78.—Whereas J, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1049, Sector 27-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Candigarh in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Tara Singh s/o Sh. Wasawa Singh,
R/o 610, Sector 18, Chandigarh.
(Transferor)

(2) (i) Smt. Piem Lata Gupta W/o Ch. Partap Singh,
Sh. Partap Singh,

(ii) Sh. Mohit Kumar Singh minor s/o Sh. Partap Singh,
Both residents of 47, Industrial Area,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1049, Sector 27-B, Chandigarh and having an area of 1497.55 sq. yds.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1282 dated 27-2-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s United Builders, H.No. 9-1-41 at M.G. Road
Secunderabad. Partnership Firm.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Amina Begum, H.No. 11-5-196 at Red Hills,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref No. RAC. No. 84/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4 in 1-7-27 to 34 situated at M.G. Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Secunderabad on November-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi, No. 4 in premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 & 228 (Old) 139 (New) at Mahatma Ghandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1913/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 85/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Mulgi Nos. 32, 33 in 1-7-26-34 situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s United Builders, Registered firm,
H. No. 9-1-41 at Tabacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mezahar Sultana,
H. No. 11-5-196 at Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 32 and 33 in Building No. 1-7-26 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1861/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s United Builders, Partnership Firm
9-1-41 at Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rama Bai,
H. No. 15-7-247 at Begum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC, No. 86/78-79.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 24 in 1-7-27 to 34

situated at M.C. Road, at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 24 in the Building No. 1-7-27 to 34 and 206 to 228 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1859/77 with the sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 87/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 15 in 1-7-27 to 34, situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s United Builders, Registered Firm,
H. No. 9-1-41 at Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Padma Bai,
H. No. 15-7-247 at Begum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 15 in the Building No. 1-7-27 to 34 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1860/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 1-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 1st July 1978

Ref. No. RAC. No. 88/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mugl No. 8 in 139

situated at M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s United Builders, Registered Firm, at H. No. 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri B. Rukmaiah
H. No. 8-1-17 at Market Street,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Shop No. 8 in Building No. 139 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2097/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad
Ahmedabad.

Date : 1-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5866/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68, II Main Road,

situated at Gandhinagar, Adyar, Madras-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR I, Saidapet (Madras) (Doc. No. 430/77) on 14-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. T. S. Shankar
 2. T. S. Venkata Sadasivam
Sarangapani Block, 18th Cross Road, 6th Main Malleswaram, Bangalore-55.
 3. Vepa Shakunthala, No. 22-A, Josier St., Madras-34.
(Represented by Vepa A. Murari)
 4. Shantha Sarathi, No. D-11/59/1 Andrews Ganj, New Delhi.
(Represented by Shri T. S. Shankar)
 5. Mrs. Chandra Rao, M-2 Observator Bungalow, Todi Road, New Delhi-3
(Represented by Shri T. S. Shankar).
- (Transferor)
- (2) Shri P. G. Srinarayan
S/o Shri P. N. Ganesan
No. 15 Judge Tambulinga Mudaliar Road, Mylapore, Madras.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 Grounds and 1045 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 68, II Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 1-7-1978
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5872/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding RS. 25,000/- and bearing No. 19/A, Murrays Gate Road, situated at Alwarpet, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Madras) (Doc. No. 917/77) on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. V. Rajagopala Iyer
No. 7 Ganeshran colony
Srinivasa Avenue Road,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Ramanathan
No. 2-1- Desikachari Road,
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Municipal Door No. 19/A, Murray's Gate Road, Alwarpet, Madras-18 'Sri Ram'. (The transfer includes fixture attached viz. fans, lights and motor-pump, etc.).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. 5900/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 8, situated at Ramaswami St., Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 3022/27) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—166GI/78

- (1) Shri Y. Ramalakshmi Narasimhan;
S/o Shri Pitchayya Sastrigaru

&

Venkateswara Sastri (Minor)
(Represented by Y. Ramalakshmi Narasimhan)
No. 8 Ramaswamy St., Madras-17.

(Transferor)

- (1) Shri V. Obaidur Rahman
S/o Shri V. A. Haleem Sahib; and
2. Shri V. Khaleel Ahmed
S/o Shri V. Abdull Mallk Sahib
No. 17 Radhakrishnan St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds and 1693 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 8, Ramasamy Street, T. Nagar, Madras-17.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 1-7-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1978

Ref. No. F. 5944/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Raja Char St., situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 761/77) on 25-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. V. Krishnamoorthy & others,
No. 5 Raja Char St.,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri K. Palaniappan
No. 71, 2nd St., East Abiramapuram
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7471 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 5 Raja Char St., Madras-17.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 1-7-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 9th June 1978

Ref. No. A-185/KRJ/78-79/1992-93.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 5056 and 5057, Khatian No. 3408,

situated at Paigana Kusiarkul, Mauza Banamali, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 13-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gibinda Chandra Saha, s/o
Late Nityananda Saha
Antony Bazar Lane, Calcutta-9.

(Transferor)

- (2) Shri Saumandu Bhattacharjee, s/o
Shri Sanat Kumar Bhattacharjee,
Brajendra Road, Ward No. 5, Karimganj,
Cachar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2095 Sft. along with a building measuring 1700 Sft., situated at Madan Mohan Road, Karimganj Bazar, in the district of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 9-6-1978
Seal :

FORM ITNS— —

(1) M/s. Ganesh Dass Ramgopal (Firms)
Through partner Smt. Lakshmi Jhunjhunwala,
1, Chitranjan Avenue, Calcutta-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Maira W/o Sh. A. B. Maira
R/o B-273-B, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Oct.I(3)/155/77-78/1631.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-273, situated at Greater Kailash-I, New Delhi
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 5-10-1973

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on plot No. B-273-B,
measuring 325 sq. yds, situated at Greater Kailash-I, New
Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

✓ Date : 3-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110001
New Delhi, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/328/Feb/77-78/1631.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
18/3, situated at Kalkaji, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 17-2-1976
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Shri Gurdit Singh Chhabra, S/o
Sh. Jagira Mal, r/o
18/3, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulbir Kaur, W/o
S. Mohinder Singh, r/o
19/11, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed property No. 18/3, measuring 200 sq.
yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 3-7-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/996.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Talkies, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 26-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri C. A. Phalke;
2. Shri Shivajirao Phalke;
3. Shri Shambhaji Rao Phalke,
4. Shri Awaji Rao Phalke,
all sons of Late Shri A. B. Phalke &
Smt. Kanchanmala Phalke, W/o
Shri Annaji Rao Phalke,
all r/o Phalke Bazar,
Gwalior.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Shivhare w/o
Shri Harikishan Shivhare,
R/o Gyan Bhavan, Khula Santar, Morar,
Gwalior.
(Transferee)
- (3) Seller
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna Theatre-1/2 Portion, bearing Municipal No. 1329/7, Ward No. 4, at Gwalior.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/997.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House & etc., situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radhakrishnan s/o
Shri Isrimal,
R/o Nebra, Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Sawarnmal Padia s/o
Shri Dwarkadas Padia,
r/o Kacheri Road, Raurkela,
Distt. Sundergarh, Orissa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 597 with godown shed at Village Nebra, Mohalla Mohatta Para, Teh. & Distt. Raipur, Municipal Area, Tilde, Nebra.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/998.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. I. Sahashmal;
2. Mohanlal
S/o Shri Seth Gulabchand;
3. Satishkumar;
4. Shri Surendrakumar
S/o Shri Kesharmal Chabra,
r/o Vivekanand Nagar, Raipur.

(Transferors)

- (1) 1. Smt. Ishwaribai w/o Shitaldas
2. Shri Chanchaldas s/o Dulhanamal,
3. Smt. Kikibai w/o Dulhanamal;
r/o Haripara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 19/205, situated at Machholi Talao Ward, Gudiyaari, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/999.—Whereas I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 28-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

13—166GI/78

(1) Shri Rupkaran Maroti s/o
Shri Siddhakaran Maroti,
R/o Bhoipara, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Jivanchand s/o Shri Mangilal Kothari,
R/o Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property Nazual Sheet No 4-A, Plot No. 109/1-2 & 138/1, situated at Ganjpara, Durg.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamlabai w/o Kantilal Sawaria,
R/o Naharpura, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Minakshi Gupta, w/o Shri Bhimseñ Gupta,
r/o Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal. the 9th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1000.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 27-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15/592, 15/592-part, 15/593, 15/594, 15/597,
at Jawahar Nagar Ward, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dwarkadas s/o Shri Dayaldas,
Balwani, r/o 42, Sindhi Colony,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Hukmatrai s/o Shri Mattomalji Rajdev,
r/o 15, Sindhi Colony,
Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1001.—Whereas I. R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-10-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed H. No. 139, situated at Sindhi Colony, Berasia Road, Bhopal.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1002.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Premkumar Kirorimal Kaushik,
r/o H. No. 5, St. No. 8, Parsi Mohalla,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ugamchand Harakchand Betala,
R/o 93-94, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot bearing No. 85, Janki Nagar Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Raipur Cycle Agency,
Jai Stambh Chowk,
Raipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ahmad Ali Farishta s/o Shri Ibrahimhai,
1/o Raja Talao, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/78-79/1003.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 2, sub-plot No. 26, Block No. 77,
at Mudhapara Ward, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./78-79/1004.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop & House, situated at Sironj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sironj on 20-10-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mehbubnissa Begum wd/o
Moulana Abdul Rahim,
r/o Sironj.

(Transferor)

- (2) Shri Srivallabh s/o Chhutulal Agarwal,
r/o Sironj, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop with house situated at Jawahar Bazar, Sironj, District Vidisha.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Kusum Agarwal w/o
Shri Rupnayan Agarwal,
r/o Modhapara, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Chandrikabai w/o
Thakur Badrisingh,
2. Smt. Ashasingh w/o
Shri Balram Singh,
r/o Chhatapara, Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1005.—Whereas I, R. K. BAILI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 5/462, situated at Modhapara Ward, Raipur.

R. K. BAILI,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1006.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 16-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bulakhidas s/o
Shri Badridass Nathani,
r/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhimandas;
2. Shri Brijlal sons of Shri Kodomal Sindhi,
r/o Ahmedji Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 2/6, 14/5 & 15/4 (Part) Block No. 19, situated at Civil Lines, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ramnarain Verma s/o
Shri Raghunandanlal Verma, r/o
100/5, Seesa Line, G.C.F. Estate, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1007.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Narsinghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 16-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—166GI/78

- (2) 1. Shri Patel Sobaransingh s/o
Patel Vijay Bahadursingh Kaurav,
vill. Tekapur, Teh. Gadarwara,
Dist. Narsinghpur; &
2. Shri Patel Khemrajsingh s/o
Patel Bahorsingh Lodhi,
Vill. Barkheda, Teh. & Dist. Narsinghpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.865 hect. land at Khasra Nos. 30, 32 & 241, Mauja Naktua, Bandobast No. 270, Teh. & Dist. Narsinghpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bulakidas Nathani s/o Shri Badridas Nathani,
Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas s/o Shri Chandanmal r/o Naharpara
City Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1008.—Whereas, I,
R. K. BALI,
being the competent authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Raipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
at Raipur on 9-11-77,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 2/6,14/5, & 15/4, block No. 19, at Civil
Lines, Raipur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1009.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Santosh Kumar s/o Mulayam Chandra Jain,
r/o Galgala, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 142, (Part) and 142/1, 141/1, & 141/3 (part) Nazul Plot No. 123, Block No. 101, 102 with land area 1800 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

(2) Smt. Pushpabai Jain w/o Shri Nirmalchand Jain,
r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1010.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-10-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal No. 143 (Part), 142, 142/1 and 144/7, Nazul Plot No. 123, Block No. 101, 102 with land area of 1200 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978

Seal

FORM ITNS

(1) Shri H. rsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Paterta,
r/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satyendra Kumar Jain S/o Shri Sheelchandra
Jain, R/o Sarafa, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1011.—Whereas, I,
R. K. BALI,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 14-10-77.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 141/6 (Part), Nazul Plot No. 123, Block
No. 101, 102, with land area of 390 sq. ft. Jonesganj,
Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1012.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jabalpur on 19-11-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria, r/o Gol Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Bageshwari Prasad Srivastava, S/o Shri Munshi Ambaprasad Srivastava, R/o Tularam Chowk, Ganjipura Wd., Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 143/1 upper portion of 143, and 141/11 (part), Nazul Plot No. 123, Block No. 101 and 102, area 1200 sq. ft. at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1013.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jabalpur on 16-12-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harsh Pateria s/o. Shri Sushilkumar Pateria, r/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Premchand Harishchand Jain, R/o Jonesganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal Plot No. 123 (part) Block No. 101, 102, with land area of 4292 sq. ft at Jonesganj, Jabalpur.

R. K. BALI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
MAHEENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th June 1978

Ref. No. J.C. 189/78-79,—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) (1) Joseph, (2) Mary (3) Thomas (4) Simon (5) Pouly (6) Titus (7) Alice (8) Mary (Legal heir of late Rochus) (9) Jossy Rochus (by Mary) (10) Jessy (11) Joy (by Mary) (12) Jolly (by Mary) (13) Jerry (by Mary).

(Transferors)

- (2) (i) Abdul Rahiman
(ii) Abu.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8/6/1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM.
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th June 1978

Ref. No. I.C. 190/78-79.—Whereas, J. P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—166GI/78

- (1) (1) Mary, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.
(2) Pauly, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.
(3) Alice, D/o. Akkappillil Lonan, Kovilvattom, Ernakulam.

(Transferors)

- (2) (1) Abdul Rahuman, S/o Vyppiyadath Haji Kunhu Muhamed.
(2) Abu S/o. Vyppiyadath Haji Kunhu Muhamed.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14,300 cents of land with buildings in Sy. No. 625/4 of Ernakulam village.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8/6/1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Indumati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bibhuti Bhushan Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 1st July 1978

Ref. No. 72/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I. A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 80 situated at Mouza-Badagad(W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhubaneswar on 12-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated at mouza Badagad (W), Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 6873 dated 12-10-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 6th July 1978

Ref. No. 72/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. situated at Chauliaganj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Cuttack, Dist. Sub-Registrar on 16-11-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

(1) Shrimati Kaja Bewa, W/o Nalu Sahoo.

(Transferor)

(2) Shri Bijoy Kumar Pattanaik S/o. Brahamananda Pattanaik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Chauliaganj, Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 5677 dated 16-11-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 6-7-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th June 1978

Ref. No. Acq/1526-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-11-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) S/Shri Shyam Manohar S/o. Shri Damodar Das and Smt. Santosh Monohar and Rajeev Manohar S/o. Shyam Manohar, R/o. 207, West end Road, Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) S/Shri Bhagwat Das S/o. Shri Nath Mal, R/o. 207, West End Road, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of land and building bearing Plot No. 2, House No. 207, West End Road, Meerut Cantt. Transferred for an apparent consideration of Rs. 66,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th June 1978

Ref. No. Acq/1495-A/B.Shahar/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhubaneswar on 12-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Rai Bareilly Flour Mills, Bulandshahr, through Vijai Kumar Singhal and Smt. Parsandi Devi, 312, Thapar House, Meerut.

(Transferor)

- (2) Rai Bareilly Flour Mills Pvt. Ltd., C-32, Larence Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; —
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property consisting of Rai Bareilly Flour Mills with land situated at Anupshahr, Road, Distt. Bulandshahr, transferred for an apparent consideration of Rs. 3,21,319/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1978

C.R. No. 62/12388/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 87, old No. 1782(2), situated at 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1793/77-78 on 5-10-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Krishnamoorthy alias Varadappa Shetty, S/o Late N. V. Narasimhaiah, No. 160, Lakshmi Narayanapuram, Main Road, Bangalore City. (Transferor(s))
- (2) Shrimati S. Bharathalakshamma, W/o. Sri S. Satyanarayana, (No. 87, Old No. 1782 (2) 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferees)
- (4) Sri S. Satyanarayana, Sri A. Y. Krishnamurthy. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1793/77-78 dated 5-10-1977]

Property bearing No. 87, Old No. 1782(2), 1st Main of Temple Road, 11th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

Boundries :

East : Sri Karanta's property
West : Sri Jeergi's property
North : 11th Cross Road and,
South : Sri Srikanthaiah's property.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1978

C.R. No. 62/13477/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Western portion of the property consisting of vacant land with compound wall bearing No. 13/1, situated at Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1472/77-78 on 6-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri T. Sethu Rama Rao } Sons of Late T. Subramaiah.
(2) T. Srinivasa Murthy }
(3) Shri T. S. Ramesh } Children of T. Sethu Rama Rao
(4) Miss T. S. Sharada }

All residing at No. 6/15, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) Shrimati V. Hemavathi,
W/o Dr. Chikkananjappa,
No. 2, South Public Square,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1477/77-78 Dated 6-10-77]

Western portion of the property consisting of vacant land with compound wall bearing No. 13/1, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

Boundries :

North : Police Station Road,
East : Existing building bearing No. 6/15 and the vacant land in front and back of this bldg. belonging to the vendors.
South : Conservancy lane and
West : Private property belonging to Sri V. Gopal Rao.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th June 1978

C.R. No. 62/13284/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property bearing No. 166/9, situated at III Cross Road, Lakkasandra Extn. (Div. No. 36), Wilson Garden, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, B'lore, Doc. No. 1755/77-78 on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Badrunnisa,
W/o. P. Mohd. Yakub Sahib,
No. 166/9, III Cross Road, Lakkasandra,
Extn., Wilson Gardens, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri A. G. Mohd. Sanaulla,
S/o. A. G. Dastagir, Engineer,
L.N.L. No. 10, 11th Main road,
4th 'T' Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1755/77-78 dated 24-10-1977]
Property bearing No. 166/9, III Main Road, Lakkasandra
Extn. Wilson Garden, B'lore (Div. No. 36).

Boundries :

East : Road
West : Site No. 176
North : Site No. 165 and
South : Site No. 167.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 27

Bangalore-27, the 26th May 1978

C.R. No. 62/13475/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Property bearing New No. 243 (Old No. 222) situated at III Main Road, Chamarajpet, B'lore City (Dn. No. 26), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore, Doc. No. 1460/77-78 on 6-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16—166GI/78

- (1) Dr. Venkatesh Rama Rao,
S/o. Dr. K. Rama Rao,
Retd. Medical practitioner, No. 31,
Shankar Mutt Road, Shankarapuram, B'lore-4.
(Transferor)
- (2) Shri R. Ramamurthy,
S/o. N. Rajagopal Naidu,
(Retd. Engineer, M/s. Binny Ltd. B'lore).
No. 243, Padmalaya, Chamarajpet, B'lore-18.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1460/77-78 dated 6-10-77]

Property bearing New No. 243, (old No. 222), III Main Road, Chamarajpet, B'lore City (Dn. No. 26).

Boundries :

East : House No. 244 of Sri Venkatesh Murthy,
West : House No. 242 of Sri Krishna Reddy,
North : Conservancy lane and
South : III Main Road, Chamarajpet.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th June 1978

C.R. No. 62/14455/78-79/ACQ/B,—Whereas, I, J. S. RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. Residential house bearing Municipal No. 5127, situated at Hudi Hanumanthappa Lane, Killary Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 2199/77-78 on 7-11-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri W. H. Hanumanthappa,
S/o. Hudi Hanumanthappa,
5/27, H.H. Lane, Kilari Road, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri K. Venkobasa, S/o. Santhusa,
No. 4/1, Sourashtrapet, Bangalore-2.
(Transferee)
- (3) (1) Smt. Lakshamma
(2) Smt. Rangamma
(3) Smt. Padamma.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[registered Document No. 2199/77-78 dated 7-11-77]
Residential house bearing Municipal No. 5/27, Hudi Hanumanthappa Lane, Kilari Road, Bangalore.
Boundries :

East : Govindappa's house
West : T. Rangaswamy's house
North : Municipal Lane of Doddahai and Hanumaiah's house and
South : Smt. Eramma's property.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27,

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore, the 26th May 1978

C.R. No. 62/12923/78-79/ACQ/B.--Whereas, I, J. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing No. 17 situated at V Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore-5 (Division No. 49), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 1733/77-78 on 1-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati G. Suryakumari, W/o. Sri N. Puruthotham, No. 33/1, Meance Avenue Road, Bangalore-42.
(Transferor)
- (2) Dr. A. R. Belliappa, S/o. late Sri A. B. Bopiah, "Ramatheetha" Kutta P.O., South Coorg.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1733/77-78 dated 1-10-77]
Premises bearing No. 17, V Cross, Hutchins Road,
St. Thomas Town, Bangalore-560005.
Boundries :

North : Plot No. 17/1, sold to Mr. N. Purushotham,
South : Plot No. 47,
East : V Cross, Hutchins Road and
West : Plot No. 42 and 43.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-6-1978

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st June 1978

C.R. No. 62/13456/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property bearing No. 389/44 situated at 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 2540/77-78 on 26-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri K. B. Jayaram,
S/o Sri Hosamane Byrappa,
No. 389/44, 19th Main Road,
I Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor(s))

- (2) Shri R. Palaniswamy,
S/O Sri K. Rangaswamy,
No. 66, 2nd Cross,
Hutchins Road Extension,
Bangalore-560 005

OR

No. 4, Industrial Town,
Rajajinagar,
Bangalore-560 044.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2540/77-78 dated 26-10-77.]
All that piece and parcel of House Property built in Trust Board Site No. 389, and at present bearing Corporation No. 44, situated in 2nd Division, 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

Boundaries :

East : By Road,
West : By site No. 415/C
North : By site No. 388 and on the
South : By site No. 389A and Storm Water Drain.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-78.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd June 1978

C.R. No. 62/13192/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site No. 114, situated at Binnamangala Layout Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar, Bangalore. (Division No. 50) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1857/77-78 on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Saraswathy Venkataramaiah,
Widow of late Lt. Col. Y. V. Venkataramaiah,
'Aruna', Rashtreeya Vidyalaya Road,
Basavangudi, Bangalore-4.

Transferor(s)

(2) Shri V. C. Venkatarami Reddy,
S/o Rami Reddy,
No. 35/2, Longford Road,
Bangalore-25.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1857/77-78, dated 17-10-77]
Vacant Site No. 114, in Binnamangala Layout, Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar, Bangalore (Divisions No. 50)

Boundaries :

North : Road
South : Premises No. 114
East : Premises No. 115 and
West : Premises No. 113.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-6-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th June 1978

C.R. No. 62/13195/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-B, New No. 3, situated at C. J. D'Souza Road, Also known as Hayes Road Cross, Bangalore (Division No. 60) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1880.7778 on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mr. M. C. Phillip, S/o late M. C. Chandy, No. 15-C, St. Mark's Road, Bangalore-560 001.
- (2) Mr. M. C. Thampi, S/o late M. C. Chandy, Chamundi Curing Works, Metagalli P.O., Mysore-6.

Transferor(s)

- (2) M/s. Pal and Paul Builders, a Partnership Firm, having its Office at No. G-84, Green Park, New Delhi, represented herein by its partner Mr. S. P. Uberoi.

Transferee(s)

- (4) Twenty two grand children of the late Mr. M. C. Chandy, No. 15-C, St. Mark's Road, Bangalore. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1880/77-78, dated 17-10-77]

All that piece and parcel of land with the main residential building, out buildings and the compound walls constructed there on known as 'Manamel' and bearing Corporation Old No. 2-B, Residency Road, Corresponding to New No. 3, Hayes Road Cross, Bangalore-560 001. (Division No. 60)

Boundaries :

North by : C. J. D'Souza Road, also commonly known as Hayes Road Cross, Bangalore.

South by : Premises No. 7, Richmond Road, known as "Homeleigh",

East by : Premises No. 2, C. J. D'Souza Road, presently owned by Mr. D. V. Vishwanath, and

West by : Premises No. 4, C. J. D'Souza Road, Known as "The Laurels".

J. S. RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-6-78.

Seal :

FORM 11NS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 24th June 1978

C.R. No. 62/13213/78-79/Acq (B) —Whereas I, J. S. RAO being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Corporation Old No. 9 New No. 21, situated at O No. 4th Street, Cavalry Road, Cross, Bangalore-560042 (Dn No. 53)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore. Doc. No. 1969/77-78 on 28-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. Shanmugam,
s/o late Dakshinamurthy Mudaliar,
No. 136, Madhavara Mudaliar Road,
Fraser Town, Bangalore-5.
[Transferor(s)]
- (2) Shri V. Panduranga Rao,
S/o late V. Subbanna Rao,
No. 3, G No. 1st Street, Lakshmana Mudaliar
Street Cross and Commercial Street Cross,
Bangalore-1.
[Transferee(s)]
- (3) S/Shri
 1. D. Balasubramanian
 2. Subash Patave
 3. Mundev Rao
 4. Gajanan Rao
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1969/77-78, dated 28-10-77]
All that piece and parcel of building bearing Municipal Corporation No. Old No. 9, New No. 21 O No. 4th Street, Cavalry Road Cross, Bangalore-560042 (Division No. 53)

Boundaries:

N : Kolanda Chetty's house
S : O No. 4 Street
E : Seshappa Mudaliar's house
W : C. N. Krishnamurthy's house

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-6-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st May 1978

Ref. No. Ac-7/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/17S, situated at Diamond Harbour Rd., Cal-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sri Nundlall Jalan, (2) Sri Jhabarmall Jalan, (3) Sri Inderchand Jalan, (4) Sri Mannalall Jalan, (5) Sm. Shanti Debi Jalan, (6) Sm. Sita Debi Jalan, (7) Sm. Chandraksha Debi Jalan and (8) Sm. Annapurna Jalan, all of 10, Biplabi Rash Behari Basu Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Nirode Kanti Ghosh, 8/1H, Diamond Harbour Road, Calcutta-27.

*(3) Vendee. (Person in occupation of the property)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South-West Apartment No. 6D measuring 1660-sq. ft. at premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 31-5-1978,
Seal :

FORM ITNS— —

(1) Sri Nanda Kumar Chowdhury &
Sm. Renuka Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Anjali Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1978

Ref. No. AC-14/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I P. P.
SINGH

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 9B, situated at Abdul Rasul Avenue
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Calcutta on 13-10-77
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the ob-
ject of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

17—166GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of entire 2nd floor of six storied
building situated at 9B, Abdul Rasul Avenue, P.S. Tollygunge,
Calcutta together with 1/5th share of land measuring 3 cottahs
2 chittaks 23 sft more particularly as per deed no. 4804 of
1977.

P. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-6-1978.

Seal :

FORM ITNS — — — —

(1) Piyarelal Agarwalla & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalit Kumar Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1978

Ref. No. AC-17/ Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 15-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1000 sft (physically undivided 1/3rd share of land measuring 4.17 cottahs) together with undivided 1/3rd share of two storied building situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri Municipality Siliguri, Darjeeling more particularly as per deed No. 6374 dated 15-11-1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 27-6-1978.

Seal :

FORM ITNS— — —

(1) Piyarelal Agarwalla & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushalya Devi Agarwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1978

Ref. No. AC-18/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 16-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1000 sft (physically undivided 1/3rd share of land measuring 4.17 cottahs) together with undivided 1/3rd share of two storied building situated at Holding No. 98, Ward No. V of Siliguri Municipality Siliguri, Darjeeling more particularly as per deed No. 6394 dated 16-11-1977.

P. P. SINGH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1978.

Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Chandra Mukherjee,
P-66, Block-B, Lake Town, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th July 1978

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6, situated at Hastings Park, Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 30-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Appartment No. 21 of Rajshree constructed on a portion of 6, Hastings Park, Alipore, Flat area 161.37 sq. metres and cover parking space for one car.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 4-7-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1978

No. Acq. 23-I-1414(666)/10-4/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. "Sharda Talkies" S. No. 1194 and 1190 situated at Bethak Road, Jam Khambhaliya, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khambhaliya on 14-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Satwara Damji Hirabhai Nakum and others,
Khambhaliya, Dist. Jamnagar.

(Transferor)

- (2) (i) Satwara Vela Ranmal Nakum;
(ii) Satwara Rooda Ranmal Nakum;
(iii) Satwara Govind Ranmal Nakum;
(iv) Satwara Devji Ranmal Nakum;
'Sharda Talkies' Khambhaliya, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building known as "Sharda Talkies" situated on Bethak Road, bearing City Survey No. 1194 and 1190 ad-measuring 824.16 sq. mtrs. at Jam-Khambhaliya—Dist. Jamnagar and as fully described vide sale-deed No. 811 registered on 14-11-77.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 2-6-1978.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 380 009, the 22nd June 1978

No. Acq. 23-I-1568(672)/16-6/77-78---Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Jagnath Plot, situated at Jagnath Plot
Behind Rajkumar College, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanaklata Gunvantrai,
"Purusharth"
Jagnath Plot, Behind Rajkumar College,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) (1) Dr. Anandram Hakumatrai,
(2) Shri Rupchand Hakumatrai,
(3) Smt. Mohiniben Lilaram,
(4) Shri Hareshkumar Hakumatrai,
Sadar Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building standing on land admeasuring 495-0-0 sq. yds bearing No.— Jagnath Plot, situated at Jagnath Plot, Behind Rajkumar College, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2949 dated 21-11-1977. Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dt. 22-6-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1978

Ref. No. Acq.23-I-1505(673)/16-5/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Opp. Grade Yard, Nr. Old Tramway Station Yard situated at Old Panjra Pole, Morbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Morbi on 18-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanchangauri Jamnadas Kotak,
ShaktiPara,
Morbi,

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Nirmala Jivabhai Sheth,
(ii) Smt. Jaishree Maheshwari Sheth,
(iii) Smt. Niranjana Dharmendrakumar Sheth,
C/o M/s. Jeram Mulji Kesiyaawala,
Bazar-Lane, Morbi.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Valji Shivji Bardanwala
(2) Shri Vallabhdas Chhaganlal Dalal
(3) Shri Girdharlal Ravjibhai Dalal
(4) Shri Amritlal Devajibhai Dalal
(5) Patel Meghji Parshottam
(6) Malia Taluka Kharid
Bechan Sangh
Nr. Old Tramway Rly. Line,
Shaktipara, Morbi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of 8 garages standing on land measuring 444.43 sq. meters—situated opposite Grave Yard, Near Old Tramway Station Yard, Old Panjra Pole, Morbi, and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 2069 dated 18-11-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 23-6-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th June 1978

Ref. No. Acq.23-I-1498(675)/16-6/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 33, S. No. 387-388, situated at Behind S.T. Stand, Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Polyride Plastic Industries,
Through partners :
(1) Shri Savajibhai Jiwabhai Patel
(2) Shri Vinodkumar Savajibhai Patel
(3) Smt. Mangula Rammiklal Patel
(4) Shri Amritlal Savajibhai Patel
(5) Shri Parshottambhai Premjibhai Patel
(6) Vithalbhai Savajibhai Patel
Self and as power of attorney holder of partners
1 to 5 60, Kotechanger, Kalavad Road, Rajkot.
(Transferor)(2) Shri Vrajlal Gokaldas Mavani
Karta & Manager of H.U.F.
Shri Vrajlal Gokaldas Mavani
Mavani Sadan 2, Sardar Nagar-West,
Rajkot-60001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1022.4 sq. yds. bearing S. No. 387-388, Plot No. 33, situated at Behind S.T. Workshop, in the west of Mansaita Industries, West of Rajkot, Gondal Road, Rajkot, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2808 dated 3-11-77.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 30-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lallubhai Kevaldas Mistri,
9/509, Kotasfil, Main Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Thakorbbhai Tribhovandas,
Sagrampura, Chogan Sheri,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th June 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. P.R. No. 592 Acq.23-1031/19-8/77-78 —Where-
as, I, D. C. GOEL

being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 13 of Ward No. 9,
situated at Kotasfil Main Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Surat on 5-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 513,
situated at Katasfil Main Road, Surat as described in the
sale deed registered under registration No. 1918 in the month
of November, 1977 by the registering Officer, Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 29th June 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1978

Ref. No. P.R. No. 593 Acq.23-977/7-4/77-78.—Whereas,
I, D. C. GOELbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingTika No. 60, City Survey No. 3101
situated at Ashanagar, Navsari
(and more fully described in the Scheduleannexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Navsari in Nov. 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely:—

- (1) 1. Bhikhiben Chhotalal Patel;
2. Girishkumar Chhotalal;
3. Kiritkumar Chhotalal;
P.A. Holder of 2 & 3
Shri Chhotalal Parshottamdas Patel;
Dhobivad, Navsari.

(Transferor)

- (2) Shri Pravinchandra Jivraj Mehta;
Urmilaben Pravinchandra Mehta;
Ashanagar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Tika No. 60, City Survey No. 3101 of
Navsari, situated at Ashanagar, Navsari admeasuring 480-11
sq mts. as described in the sale-deed registered under regis-
tration No. 3175 in the month of November, 1977 by the
registering Office, Navsari.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 1-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th July 1978

Ref. No. Acq.23-I-1438(680)/I-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKHbeing the Competent Authority under section 269B
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 568/1, 568/2, 568/3

situated at Village Vejalpur, Tal. City Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Diwiben Chuthaji widow of Abhramji;
2. Shri Prahlajdi Chuthaji Thakore;
3. Bhalaji Chuthaji Thakore;
All of village Vejalpur, Tal City
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Sarjan Park Co-op. Hsg. Society Ltd.,
Trough President :
1 Shri Valjibhai Ramjibhai Jadav,
Gandhinagar Sector No. 22, Block No. 2/3 and
Secretary
Shri Motibhai Dumberbhai Parmar,
Block No. 24-B, Saurashtra Society, Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated at Vejalpur village Tal. City Dist. Ahmedabad bearing S. No. 568/3 being 2057 sq. yds. as per sale-deed No. 7888 dated 24-11-1977 and open plot of land situated at Vejalpur village Tal. City Dist. Ahmedabad bearing S. No. 568/1 being 2299 sq. yds. and being S. No. 568/2 being sq. yds. 229 as per another sale-deed No. 7889 dated 24-11-77, duly registered by the registering Authority of Ahmedabad in the month of November, 1977 and as fully described in the above two separate sale-deeds duly registered.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5th July, 1978

Seal :

